संगम में सुबह से 68 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

एमपी बोर्ड की 12वीं की परीक्षा आज से, 7.06 लाख छात्र हुए शामिल, गुरु का आशीर्वाद लेता छात्र

वर्ष 54/ अंक 206/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 25 फरवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दूसरे दिन मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा-

महानगर की तर्ज पर विकसित होंगे भोपाल- इंदौर: सीएम

खट्टर ने कहा-शहरी विकास के लिए सस्ते मकान जरूरी

● 18 देशों के राजदूत हिस्सा लेन पहुंचे भोपाल ● 10 हजार से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जारी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) का मंगलवार को समापन होगा। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया था। मंगलवार को समिट में शामिल हो रहे देश-विदेश के उद्योगपति मध्य प्रदेश में निवेश को लेकर प्रदेश सरकार से एमओयू साइन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सबका अगवानी करेंगे।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा- शहरों के विकास के लिए अर्बन मोबिलिटी का अच्छा होना और सस्ते मकान जरूरी हैं। रियल एस्टेट सेक्टर में डेवलपमेंट के लिए जो भी सुझाव मिलेंगे, केंद्र सरकार उन पर काम करेगी। 2047 तक देश की नगरीय आबादी कुल आबादी का 50त्न तक हो जाएगी। ऐसे क्षेत्रों में बढ़ती आबादी के हिसाब से सारे मापदंड तय करने पड़ेंगे।

आज 40 एमओयू होंगे

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 18 देशों के राजदूतों ने भाग लिया है। वहीं, 200 से अधिक प्रतिभागी भी विदेश से आए। देश और प्रदेश से 10 हजार से अधिक उद्यमियों ने समिट में हिस्सा लिया।

मंगलवार को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम से जुड़े सत्र में पांच हजार से अधिक उद्यमी भाग लेंगे। इसमें सभी जिलों की हिस्सेदारी रहेगी।

समिट के दूसरे और अंतिम दिन मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 40 एमओयू होंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी एक सत्र में भाग लेंगे।

INVEST MADHYA PRADESH GLOBAL INVESTORS SUMMIT

सीएम डॉ. मोहन यादव बोले निवेश कर आप रोजगार देंगे, ये भी पुण्य होगा

इस बीच, प्रवासी मध्य प्रदेश समिट में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा- हमारी बहन लंदन में महापौर बनती है, तो पटाखे एमपी में भी फूटते हैं। एमपी सबसे तेज गति से बढ़ने वाले राज्यों में है। हम आईटी, बायोटेक फार्मा सहित कई क्षेत्रों में निवेश करेंगे।

सीएम ने कहा, प्रदेश की सरलीकृत व्यवस्था है और यहां वसुदेव कुटुंबकम है। बाबा महाकाल की भस्म आरती जन्म से मृत्यु का दर्शन और यात्रा है। पुण्य कर्म हमारे साथ जाते हैं। जिसका जो नियत कर्म है, उसे करें। महाकाल समय की नगरी है। महाकाल समय बताते हैं। महाशिवरात्रि के आसपास हमने समिट रखी है। हमने सारे प्रयास किए कि समिट में आए मेहमानों को परेशानी न हो। खुद के लिए दो रोटी कोई भी कमा खा लेता है। निवेश कर आप दूसरों को रोजगार देंगे ये भी पुण्य होगा।

विजयवर्गीय बोले- अर्बनाइजेशन आज की आवश्यकता

नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा- अर्बनाइजेशन आज की आवश्यकता है। 2047 तक प्रदेश की जनसंख्या 7त्न बढ़ जाएगी। प्रदेश के विकास के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने 2 महीने में 18 नई पॉलिसी बनाई हैं। ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए सरकार काम कर रही है। मध्यप्रदेश में इन्वेस्टमेंट की भारी संभावनाएं हैं। इन्वेस्टर्स के लिए मंत्री के रूप में मेरे दरवाजे 24 घंटे खुले रहेंगे।

एक्टर पंकज त्रिपाठी बोले- एमपी में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करूंगा

समिट में आज फिल्म एक्टर पंकज त्रिपाठी भी पहुंचे हैं। उन्होंने कहा- 2007 में एमपी पर्यटन विभाग ने एक डॉक्यूमेंट्री बनाई थी। इसमें दिखाया था कि एक महिला एमपी घूमने आती है। मैं गाइड बनकर उसे भीमबेटका, सांची, भोजपुर, ग्वालियर घुमाता हूं। उस वक्त मैंने एमपी की खूबसूरती देखी। मुझे तभी एमपी से प्यार हो गया था। मैं सौभाग्यशाली हूं कि पैदा हुआ बिहार में, कर्मभूमि मुंबई है और एमपी से जुड़ाव है। मैं राजनीति से नहीं जुड़ा तो यहां इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करूंगा।

एमओयू टूरिज्म को बढ़ावा देंगे

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा- पर्यटन क्षेत्र में संभावनाओं को मद्देनजर रखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने जो नीतियां घोषित की हैं, जिस तरह से काम किया जा रहा है...मुझे विश्वास है कि इस समिट में होने वाले एमओयू यहां टूरिज्म को बढ़ावा देंगे।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की मुख्य बातें-

एविएशन- दुबई का ओजोन ग्रुप एमपी में एविएशन में इन्वेस्ट करेगा। ग्रुप की फाउंडर ओलिविया फर्नांडिस ने कहा, कल एमओयू साइन करेंगे। हरदा में ईको एग्रीकल्चर टूरिज्म की संभावनाएं हैं। ओंकारेश्वर और उज्जैन में भी संभावनाएं हैं।

कॉटन- कपड़ा मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव ने कहा, मप्र की भागीदारी कस्तूरी कॉटन में काफी बड़ी है। ये प्रीमियम प्रोडक्ट्स में काम आता है। धार से लगे हुए एरिया में हम पीएम मित्र पार्क का काम राज्य सरकार की मदद से कर रहे हैं।

मिनरल्स- प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने कहा- एमपी में मिनरल्स की वेलोसिटी है। पावर, मैंगनीज, डायमंड में हम देश में नंबर वन हैं। लाइम स्टोन, कोल मीथेन में दूसरे नंबर पर हैं। एमपी के सभी क्षेत्रों में कोई न कोई मिनरल्स जरूर पाया जाता है।

रियल एस्टेट- केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा- रियल एस्टेट सेक्टर में डेवलपमेंट के लिए जो भी सुझाव मिलेंगे, केंद्र सरकार उन पर काम करेगी। 2047 तक देश की नगरीय आबादी कुल आबादी का 50 फीसदी तक हो जाएगी।

इंफ्रास्ट्रक्चर- बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी ने कहा- एमपी टूरिज्म विभाग ने एक डॉक्यूमेंट्री बनाई थी। तब से मुझे एमपी से प्यार हो गया था। मैं सौभाग्यशाली हूं कि पैदा हुआ बिहार में, कर्मभूमि मुंबई है और एमपी से जुड़ाव है। राजनीति से नहीं जुड़ा तो यहां इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करूंगा।

पहले दिन 22 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के पहले दिन सोमवार को 22 लाख 50 हजार 657 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव और एमओयू हुए हैं। इससे प्रदेश में 13 लाख 43 हजार 468 रोजगार मिलेंगे। अकेले रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में 5 लाख 21 हजार 279 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव और एमओयू हुए। एनएचएआई के साथ एक लाख करोड़ का एमओयू हुआ है। इससे 4010 किलोमीटर सड़क परियोजनाओं पर काम होगा। अडाणी ग्रुप 2 लाख 10 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगा। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज बायोफ्यूल में 60 हजार करोड़ का निवेश करेगी। हिंडाल्को ग्रुप सिंगरौली में 15 हजार करोड़ का प्लांट लगाने जा रहा है। अवादा ग्रुप ने 50 हजार करोड़ से 8000 मेगावाट का सोलर विंड पावर और बैटरी प्रोजेक्ट लगाने की इच्छा जताई। वहीं, सागर ग्रुप टेक्सटाइल सेक्टर में ढाई हजार करोड़ का निवेश करेगा।

आज समिट में हिस्सा लेंगे अमित शाह

निवेश के 'महाकुंभ' में होगी बड़ी घोषणाएं

भोपाल में चल रही दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के दूसरे दिन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को समिट

में हिस्सा लेने आ रहे हैं। वे निवेशकों से संवाद करेंगे और साथ ही केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र शेखावत, केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा अभिनेता पंकज त्रिपाठी भी इस अवसर पर उपस्थित होंगे।

समिट का दूसरा दिन विभिन्न सत्रों के साथ चल रहा है, जिसमें अमित शाह देशभर के निवेशकों से मुलाकात करेंगे। इसके अतिरिक्त, पर्यटन के क्षेत्र पर भी चर्चा होगी, जिसमें पंकज त्रिपाठी को मध्य प्रदेश के ब्रांड एंबेसेडर के रूप में शामिल किया गया है। वे समिट के समापन सत्र में अपनी बात रखेंगे।

अमित शाह का कार्यक्रम इस प्रकार है

- शाम 4.20 से 4.30 बजे तक एमपी पवेलियन और एक्सपीरियंस जोन का दौरा।
- शाम 4.30 बजे समापन सत्र में शामिल होने के लिए हॉल में पहुंचना।
- शाम 4.32 तक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा स्वागत।
- फिर 4.37 तक 'फॉरवर्ड मध्य प्रदेश' पर मुख्य सचिव का संबोधन।
- इसके बाद 4.40 से 5.00 बजे तक प्रमुख उद्योगपतियों का संबोधन।
- 5.00 से 5.10 बजे तक मुख्यमंत्री का समापन भाषण।
- 5.10 से 5.45 बजे तक गृह मंत्री अमित शाह का मुख्य भाषण।
- 5.45 से 5.50 बजे तक धन्यवाद ज्ञापन।
- शाम 6.00 से 6.30 बजे तक मीडिया ब्रीफिंग।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऐलान की घड़ी आने लगी पास, दक्षिण भारत के तीन बड़े चेहरे चर्चा में

हैदराबाद। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हरियाणा, महाराष्ट्र और फिर दिल्ली में ऐतिहासिक जीत के बाद बीजेपी अब राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर मंथन में बताई जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ संघ की कसौटी पर कौन सा चेहरा फिट बैठेगा? इसको लेकर कई नामों की चर्चा हो रही है। गुजरात विधानसभा चुनाव में जब बीजेपी ने 182 सीटों में 156 सीटों पर कब्जा जमाते हुए सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी तब सीआर पाटिल को जे पी नड्डा के उत्तराधिकारी के तौर

पर देखा गया था, लेकिन अब दक्षिण भारत से बीजेपी के नए राष्ट्रीय के आने की संभावना है। बीजेपी के तीन नेताओं के नामों की चर्चा भी है। इन तीनों नामों पर बीजेपी और संघ दोनों की सहमति बन सकती है। ऐसा होता है बीजेपी को दक्षिण में अपना विस्तार करने में मदद मिलेगी। मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के उत्तराधिकारी के तौर पर कोयला एवं पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी, लोकसभा सदस्य और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी का नाम लिया जा रहा है। इनमें रेड्डी और बंडी संजय कुमार दोनों तेलंगाना से आते हैं जबकि जोशी कर्नाटक से ताल्लुक रखते हैं। मोदी 3.0 सरकार के बाद शिवराज सिंह चौहान के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष होने की अटकलें लगी थीं, हालांकि उन्हें कृषि मंत्री का दायित्व सौंप दिया गया था। इसके अलावा नार्थ से जो अन्य नाम चर्चा में हैं। उनमें वंसुधरा राजे का नाम कई बार आया, लेकिन अब बीजेपी के मिशन साउथ पर फोकस करने की चर्चा है। तेलंगाना और कर्नाटक दोनों राज्यों में कांग्रेस की सरकार है।

जी किशन रेड्डी

जी. किशन रेड्डी अभी 64 साल के हैं। उन्हें अध्यक्ष बनाकर बीजेपी ओबीसी और साउथ दोनों को संदेश

दे सकती है। उन्हें सरकार और संगठन दोनों का अनुभव है। वह भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। केंद्रीय कोयला मंत्री के साथ तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। तीन बार विधायक और संयुक्त आंध्र के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। वह 2019 से लगातार केंद्र में मंत्री हैं। रेड्डी पीएम मोदी के पुराने विश्वस्त हैं। मोदी 1994 में अमरीका गए थे तो रेड्डी भी साथ थे।

बंडी संजय कुमार

बंडी संजय कुमार की उम्र 53 साल है। वह हिंदुत्व और ओबीसी दोनों समीकरण साधते हैं। तेलंगाना की

करीमनगर सीट से 2019 से लगातार सांसद हैं, हालांकि वह बीच में विधायकी का चुनाव हार गए थे। वह केंद्रीय मंत्री के साथ राष्ट्रीय महासचिव भी हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से पहले अमित शाह और जेपी नड्डा भी राष्ट्रीय महासचिव रहे थे। बंडी तेलंगाना अध्यक्ष भी रहे हैं। बंडी एबीवीपी के जरिये राजनीति में आए हैं। तमिलनाडु में भी पकड़ रखते हैं।

प्रहलाद जोशी

प्रहलादजोशी की उम्र 62 साल है। वह बीजेपी के ऐसे चेहरे हैं, जो सरकार, संगठन और संसदीय मामले,

तीनों के माहिर माने जाते हैं। कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष रहे। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में संसदीय कार्य मंत्री के रूप में फ्लोर मैनेजमेंट बखूबी संभाला। विवादों से दूर लो प्रोफाइल रहते हैं। धारवाड लोकसभा सीट से लगातार 5वीं बार सांसद हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री हैं। कर्नाटक में भाजपा की गुटबंदी की राजनीति में समन्वयवादी हैं।

CITIES

Pravasi
Madhya Pradesh

UNLOCKING

INVEST
MADHYA PRADESH

INVEST
MADHYA PRADESH

INVEST
MADHYA PRADESH

150 कलाकारों ने मंच पर जीवंत की देश के दिल मध्यप्रदेश की लोक परंपरा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट के पहले दिन गाला डिनर के दौरान संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित 5 सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। करीब दो घंटे की प्रस्तुति में 150 कलाकारों ने देश-दुनिया से आए मेहमानों के समक्ष मध्यप्रदेश की लोक कला एवं लोक संस्कृति को मंच पर जीवंत कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मुख्य सचिव अनुराग जैन भी मौजूद रहे।

पहली प्रस्तुति शिखर सम्मान से सम्मानित कैलाश सिसोदिया, जिला धार के मार्गदर्शन में भील जनजातीय के लोकनृत्य भगोरिया की हुई। भगोरिया भील समुदाय का एक पारंपरिक नृत्य है। प्रेम, परिणय और आदिवासी संस्कृति को दर्शाती लोक परंपरा से जुड़ा यह नृत्य त्योहार के दौरान किया जाता है, जो होली के समय होता है। भगोरिया नृत्य में पुरुष और महिलाएं दोनों भाग लेते हैं। पुरुष अपने पारंपरिक परिधानों में सजे होते हैं, जिनमें एक विशेष प्रकार की टोपी और एक लंबा कोट शामिल होता है। महिलाओं के पारंपरिक परिधानों में साड़ी और एक लंबा ब्लाउज होता है। नृत्य के दौरान, पुरुष और महिलाएं एक-दूसरे के साथ नृत्य करते हैं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में गाला डिनर के दौरान संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित 5 सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया

वे अपने हाथों में डंडे और तलवारें लेकर नृत्य करते हैं। नृत्य के दौरान वे पारंपरिक गीतों को गाते हैं और अपने पारंपरिक वाद्यों को बजाते हैं। भगोरिया नृत्य का मुख्य उद्देश्य होली के त्योहार की शुरुआत करना है। यह नृत्य आदिवासी समुदाय की संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।

अगली प्रस्तुति बैगा जनजाति के लोकनृत्य कर्मा की हुई। इसे पद्मश्री श्री अर्जुन सिंह धुर्वे ने संयोजित किया। कर्मा नृत्य मध्यप्रदेश डिंडोरी जिले के बैगाचक क्षेत्र का एक पारंपरिक नृत्य है। इसमें जिस कड़ी को पुरुष गाता है उसे महिला को भी गाना होता है। यह नृत्य कर्मा त्योहार के दौरान किया जाता है, जिसमें की कर्म/कार्य के सफल होने की प्रसन्नता व्यक्त की जाती है। नृत्य में पुरुष और महिलाएं दोनों भाग लेते हैं। महिलाएं अपने पारंपरिक परिधानों में सजी होती हैं, जिनमें एक विशेष प्रकार की साड़ी और एक लंबा ब्लाउज शामिल होता है। नृत्य के दौरान, पुरुष और महिलाएं एक-दूसरे के साथ नृत्य करते हैं, जिसमें वे अपने हाथों में डंडे और तलवारें लेकर नृत्य करते हैं। नृत्य में मांदल, टिमकी एवं बांसुरी का उपयोग प्रमुखता से किया जाता है।

लोक धुनों से सजी इस सुरीली शाम को विस्तार देते हुए डिंडोरी के दिनेश भारवे के निर्देशन में गुदुमबाजा लोकनृत्य की प्रस्तुति हुई। इसमें विशेष प्रकार के वाद्य जैसे शहनाई, डफला, टिमकी और मजीरा का प्रमुखता से प्रयोग किया जाता है, जिसमें कौड़ी जड़े हुए परिधानों का उपयोग किया जाता है। गुदुमबाजा का उपयोग शादी विवाह, तीज त्यौहार, मेला मड़ई आदि मांगलिक अवसरों पर किया जाता है।

अगली कड़ी में मैत्रीय पहाड़ी के निर्देशन में नृत्य नाटिका अमृतस्य मध्यप्रदेश की प्रस्तुति हुई। कलाकारों ने प्रस्तुति के माध्यम से दिखाया कि मध्यप्रदेश में भीमबैठका, खजुराहो और सांची जैसी विश्व धरोहर हैं, तो जबलपुर में भेड़ाघाट में मां नर्मदा का अनुपम सौंदर्य देखने को मिलता है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों के साथ मध्यप्रदेश की लोक और जनजातीय नृत्य शैलियों को पिराते हुए दिखाया गया कि मध्यप्रदेश अपने में पर्यटन की असीम संभावनाओं को समेटे हुए है। अंतिम प्रस्तुति पंचनाद समूह की हुई। श्रुति अधिकारी के कुशल संयोजन में कलाकारों ने पांच वाद्ययंत्रों की सुरीली प्रस्तुति देकर मानव संग्रहालय की फिजा में मध्यप्रदेश के सौंदर्य के रस घोल दिये। श्रुति अधिकारी ने संतूर, स्मिता वाजपेई ने सितार, संगीता अग्निहोत्री ने तबला, देयासिनी मुखर्जी ने वायलिन, विजेता हेगड़े ने तबला पर अपने सधे हाथों से अपने घरानों की परंपराओं को मंच पर जीवंत कर दिया।

मध्यप्रदेश @2047 तक बनेगा 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था

मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था संभावित रूप से अपने सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को 2047-48 तक 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (248.6 लाख करोड़ रुपये) तक बढ़ा सकती है, जो मौजूदा 164.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर (13.6 लाख करोड़ रुपये) से 8.6त्न की सीएजीआर से बढ़ सकती है। भारतीय उद्योग परिसंघ की रिपोर्ट में यह बात रेखांकित हुई है। एनविज़निंग मध्यप्रदेश इकोनॉमी @2047 के अनुसार यह रिपोर्ट आर्थिक विकास के लिए एक दृष्टिकोण, प्रमुख क्षेत्रों की पहचान, नीतिगत हस्तक्षेप और निवेश के अवसरों की रूपरेखा तैयार करती है जो राज्य के परिवर्तन को आगे बढ़ाएंगे। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि निवेश को बढ़ावा देने और विकास को गति देने के लिए समर्पित एक सक्रिय राज्य सरकार के साथ, मध्यप्रदेश 2047-48 तक भारत की जीडीपी में अपना योगदान मौजूदा 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.0 प्रतिशत करने के लिए अच्छी स्थिति में है। मध्यप्रदेश को अपने महत्वाकांविकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विनिर्माण और औद्योगिक विस्तार को केंद्र में रखना होगा। कृषि क्षेत्र वर्तमान में मप्र की अर्थव्यवस्था में 43 प्रतिशतयोगदान देता है, दीर्घकालिक विकास को बनाए रखने के लिए विनिर्माण की हिस्सेदारी 2047 तक बढ़कर 22.2 प्रतिशत होनी चाहिए। इसे प्राप्त करने के लिए, क्रॉस-सेक्टोरल और सेक्टर-विशिष्ट में वर्गीकृत हस्तक्षेपों की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। सत्र में कपड़ा और खाद्य प्रसंस्करण जैसे रोजगार लोचदार क्षेत्रों के लिए कुशल कार्यबल की उपलब्धता को प्राथमिकता देने, अधिक कौशल पार्क

स्थापित करने और कौशल अंतराल को दूर करने के लिए कौशल विकास में उद्योग की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की जरूरत बताई गई। चर्चा में बताया गया कि व्यवसाय में सुधार लाना व्यवसाय के एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। निर्बाध अनुमोदन और मंजूरी के लिए सिंगल विंडो सिस्टम (एसडब्ल्यूएस) की दक्षता बढ़ाने से महत्वपूर्ण लाभ मिल सकते हैं। भूमि अधिग्रहण और पंजीकरण प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, निरीक्षणों को एकीकृत करना और समय पर मंजूरी प्रदान करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। चर्चा में बताया गया कि एमपी एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए एक संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र बढ़ाना चाहिए। दस शीर्ष राज्यों में म.प्र. 7वें स्थान पर है। आगे का कार्य रियायती ऋण व्यवस्था के माध्यम से ऋण तक पहुंच में सुधार, प्रदर्शनियों और व्यापार मेलों में भाग लेकर बाजार पहुंच में सुधार के लिए समर्थन, एमएसएमई को बढ़ाने के लिए निर्यात सहायता की सुविधा, कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करना, डिजिटलीकरण और तकनीकी उन्नयन की सुविधा जैसे उपायों के माध्यम से एमएसएमई को बढ़ाना है।

महानिदेशक सीआईआई बनर्जी के अनुसार, राज्य की अर्थव्यवस्था एक मोड़ पर है और औद्योगिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए संरचनात्मक सुधार को आगे बढ़ाना राज्य में निवेशक आकर्षण के लिए जरूरी होगा। मध्यप्रदेश ने तकनीकी नवाचार, उन्नत कृषि पद्धतियों और व्यापक फसल विविधीकरण के आधार पर कृषि उत्कृष्टता के निर्माण के लिए नई कसौटी तैयार की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कृषि में देखी गई सफल रणनीतियों के आधार पर, विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में पहल की आवश्यकता है जो राज्य को प्रगति की दिशा में नए रास्ते खोलने में मदद करेगी।

नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारतीय रेल के साथ हुआ अनुबंध

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में गत वर्षों में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में तेज गति से वृद्धि हुई है। अब यह हमारी कुल ऊर्जा उत्पादन का 15त्न हो गई है। साथ ही मध्यप्रदेश ने सबसे सस्ती बिजली बनाने का रिकॉर्ड भी बनाया है। प्रदेश के नीमच जिले में स्थापित सोलर परियोजना में 02 रुपए 14 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली उत्पादन किया जा रहा है और यह सस्ती बिजली हमारी सरकार भारतीय रेलवे को बेच रही है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अंतर्गत नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा पर आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया के सामने हर क्षेत्र में सीना तान के खड़ा है। आज जहां विश्व में उथल-पुथल मची हुई है, बहुत से देश आपस में बात भी नहीं करते। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी का सभी से निरंतर संवाद है और वे भारत की प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। सोमवार को भोपाल में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट आयोजित की गई है, जिसमें दुनिया भर से मध्यप्रदेश में निवेश प्रस्ताव आ रहे है। देश-विदेश के निवेशकों ने मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर भरोसा जताया है। हमारे लिए छोटा से छोटा निवेश भी बहुत बड़ा है और हर निवेशक महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा विशेष रूप से सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहा है। रीवा में 750 मेगावाट क्षमता का अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क स्थापित किया गया है। इसी प्रकार नीमच में 500 मेगावाट का सोलर पॉवर प्लांट और भारत का सबसे बड़ा पम्पड हाइड्रो पॉवर स्टोरेज प्रोजेक्ट लगाया गया है। यह सबसे सस्ती बिजली का उत्पादन कर रहा है। ओंकारेश्वर में भारत का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किया गया है। नर्मदापुरम जिले के मुहासा बाबई में भारत का पहला पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग जोन बनाया गया है। पहले इसके क्षेत्र को बढ़ाकर 884 एकड़ किया गया था, अब इसमें 1000 एकड़ क्षेत्र और बढ़ाया जा रहा है। मध्यप्रदेश भारत के 500 गीगावॉट के नवकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में निवेश का अच्छा माहौल बना है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2030 तक भारतीय रेल ऊर्जा के क्षेत्र में नेट जीरो हो जाएगी, अर्थात शत-प्रतिशत बिजली पर चलेगी। अभी 97त्न रेलवे लाइन का इलेक्ट्रिफिकेशन कर लिया गया है। आज मध्यप्रदेश के साथ 170 मेगावाट का पावर परचेज एग्रीमेंट किया गया है, जो अपने आप में अत्यंत महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश जितनी भी अतिरिक्त बिजली उत्पादित करेगा हम खरीदेंगे। वैष्णव ने कहा कि मध्य प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का ऐतिहासिक कार्य चल रहा है। इस क्षेत्र में 01 लाख 4 हजार करोड रुपए का निवेश किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2014 के बाद 2456 किलोमीटर का रेलवे नेटवर्क तैयार किया गया है। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहा है। आज हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री स्वयं ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निरंतर प्रदेश में निवेश बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। चरैवेति, चरैवेति के आदर्श वाक्य को लेकर वे निरंतर इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में 10 वर्ष पहले मात्र 500 मेगावाट नवकरणीय ऊर्जा उत्पादित होती थी जो अब 7000 मेगावाट हो गई है। प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है।

अडानी समूह करेगा 1.10 लाख करोड़ का निवेश समिट में बताया अपना मास्टरप्लान

समिट के दूसरे दिन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस सम्मेलन का समापन करेंगे और प्रदेश के मुख्यमंत्री भी मुख्य संबोधन देंगे। इस समिट में देश-विदेश के दिग्गज उद्योगपति भी शिरकत करेंगे, जिनमें आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिड़ला, अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी, गोदरेज इंडस्ट्रीज के नादिर गोदरेज, भारत फोर्ज के बाबा एन कल्याणी, और सन फार्मास्युटिकल्स के राहुल अवस्थी जैसे नाम शामिल हैं।

अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने कहा कि मध्य प्रदेश में इस समिट का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि अडानी समूह मध्य प्रदेश के साथ मिलकर काम करने पर गर्व महसूस कर रहा है। अब तक समूह ने ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और कृषि व्यवसाय जैसे क्षेत्रों में 50,000 करोड़ से ज्यादा का निवेश किया है, जिससे 25,000 से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं। साथ ही, उन्होंने घोषणा की कि समूह पंप स्टोरेज, सीमेंट, खनन, स्मार्ट मीटर और तापीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में 1,10,000 करोड़ का और निवेश करेगा, जिससे वर्ष 2030 तक मध्य प्रदेश में 1,20,000 नई नौकरियां पैदा होंगी।

अवादा समूह ने मध्यप्रदेश में अपने बड़े विस्तार की योजना का खुलासा किया है, जिसके तहत वह अगले पांच वर्षों में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। अवादा समूह के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कि उनका समूह पिछले कई वर्षों से राज्य में निवेश कर रहा है और एनटीपीसी, एनएचपीसी जैसी कंपनियों से कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं हासिल कर चुका है। मित्तल ने बताया कि समूह सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पंप भंडारण और बैटरी भंडारण के क्षेत्रों में निवेश करेगा, और इन परियोजनाओं को मध्यप्रदेश के मालवा, बुंदेलखंड और भिंड क्षेत्र में लागू करेगा। उनका समूह अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में दीर्घकालिक निवेश करके राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने की योजना बना रहा है।

सड़क अधोसंरचना में निवेश, एक लाख करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर

भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2025 के प्रथम दिवस मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह की उपस्थिति मैं राज्य सरकार और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के बीच 1 लाख करोड़ रूपये के ऐतिहासिक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इससे लगभग 4010 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजनाओं का निर्माण एवं विकास किया जाएगा।।इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, एमपीआरडीसी के प्रबंध संचालक भरत यादव और एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी एस.के. सिंह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एनएचएआई की निर्माण परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। वहीं, लोक निर्माण मंत्री सिंह ने इस एमओयू को मध्यप्रदेश के रोड इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। एमओयू पर एनएचएआई की ओर से क्षेत्रीय अधिकारी एस.के. सिंह और एमपीआरडीसी की ओर से प्रबंध संचालक भरत यादव ने हस्ताक्षर किए। एमओयू से सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस समझौते में इंदौर-भोपाल ग्रीनफील्ड हाई स्पीड कॉरिडोर, भोपाल-जबलपुर ग्रीनफील्ड हाई स्पीड कॉरिडोर, प्रयागराज-जबलपुर-नागपुर कॉरिडोर, लखनादौन-रायपुर एक्सप्रेस-वे, आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय राजमार्ग, उज्जैन-झालावाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग, इंदौर रिंग रोड (पश्चिमी और पूर्वी बायपास), जबलपुर-दमोह राष्ट्रीय राजमार्ग, सतना-चित्रकूट राष्ट्रीय राजमार्ग, रीवा-सिद्धी राष्ट्रीय राजमार्ग और ग्वालियर शहर के पश्चिमी छोर पर 4-लेन बायपास सहित कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का विकास किया जाएगा।

मध्यप्रदेश का हर शहर है आर्थिक केंद्र, एमएसएमई पर हुई विस्तृत चर्चा

मध्यप्रदेश का हर शहर अपने आप में एक आर्थिक केंद्र है। इंदौर में फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल और ऑटो-कंपोनेंट के क्लस्टर हैं। प्रदेश में एक विविध औद्योगिक परिदृश्य है जो एमएसएमई के लिए नए अवसर देता है। राज्य में सूती वस्त्र, कृत्रिम कपड़े, चीनी मिलें, वनस्पति तेल, सोयाबीन तेल, सीमेंट, भारी विद्युत उपकरण, कागज और फर्नीचर जैसे उद्योग स्थापित हैं। इसके अलावा 15 से ज्यादा औद्योगिक क्लस्टर हैं। प्रत्येक क्लस्टर की अपनी विशेषज्ञता है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भारतीय उद्योग परिसंघ मध्य प्रदेश ने एमएसएमई के विकास के लिए नए अवसरों की पहचान के लिए विशेषज्ञों की विशेष मीटिंग बुलाई है। सुधीर मुतालिक, सदस्य-सीआईआई राष्ट्रीय परिषद ने कहा की मध्यप्रदेश के तेज गति से आर्थिक विकास करने के लिए एमएसएमई के सभी सेक्टरों को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सभी स्तरों पर निवेश की आवश्यकता है।

मुफ्त का माल, चुनावी धमाल! खजाने पर बोझ या जनता का भला

सरकारों को शायद अब इस बात की चिंता बिल्कुल नहीं रह गई है कि मुफ्त की योजनाएं चलाने से खजाने पर पड़ने वाले बोझ की भरपाई कहां से हो पाएगी। इसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय भी नसीहत दे चुका है और अनेक अर्थ-विशेषज्ञ सावधान करते रहे हैं, पर हर सरकार चुनावी समीकरण को ध्यान में रखते हुए न केवल पहले से चल रही मुफ्त की योजनाओं को जारी रखने का प्रयास करती हैं, बल्कि कुछ नई योजनाएं भी घोषित करती देखी जाती हैं। उत्तर प्रदेश सरकार का इस वर्ष का बजट इसका ताजा उदाहरण है। वहां पहले से विद्यार्थियों, खासकर छात्राओं को मुफ्त लैपटाप, टैबलेट, मोबाइल फोन आदि बांटने की योजना चल रही है।

इस बजट में मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी बांटने के लिए चार सौ करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है। आठ लाख आठ हजार सात सौ छत्तीस करोड़ रुपए के इस बजट में पिछले वर्ष की तुलना में 9.8 फीसद अधिक धन का प्रावधान किया गया है। मगर बजट का काफी बड़ा हिस्सा मथुरा-वृंदावन और मीरजापुर जैसी जगहों पर धार्मिक गलियारों के विकास, मंदिरों के जीर्णोद्धार-पुनरुद्धार और द्रुतगामी मार्गों के लिए आबंटित किया गया है। इसके अलावा, पहले से चल रही लखपती दीदी जैसी योजनाओं का दायरा और बढ़ाने के लिए बड़ी राशि आबंटित की गई है।

बजट सरकार के कामकाज का आईना होते हैं। वे इस बात का पता देते हैं कि कोई सरकार अगले एक वर्ष में क्या काम करने जा रही है और उसकी प्राथमिकता क्या होगी। अपेक्षा की जाती है कि सरकारें जनकल्याण और सामाजिक कल्याण के कार्यों पर अधिक खर्च करें। ऐसी योजनाओं को प्रोत्साहित करें, जिससे राज्य और देश के आर्थिक विकास को बल मिलै. मुफ्त की योजनाओं का व्यापक अनुभव यही रहा है कि वे अनुत्पादक साबित होती हैं। उनसे सरकार पर वित्तीय बोझ ही बढ़ता है। पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने कड़े शब्दों में कहा कि सरकारें मुफ्त की योजनाएं चला कर लोगों को अकर्मण्य बना रही हैं।

इसके बावजूद अगर उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने बजट में चार सौ करोड़ रुपए मुफ्त स्कूटी बांटने के लिए आबंटित किए हैं, तो जाहिर है, उसका मकसद अगले चुनाव में लोगों को आकर्षित करने का है, इसके कोई उत्पादक नतीजे नहीं निकलने वालै. इसके बरक्स विचित्र है कि सरकार ने उच्च शैक्षिक संस्थानों और राज्य विश्वविद्यालयों में आधारभूत ढांचा मजबूत करने के लिए महज पचास करोड़ रुपए आबंटित किए हैं। नए बन रहे महाविद्यालयों के लिए भी पचास करोड़ रुपए तय किए हैं।

उत्तर प्रदेश में शिक्षा के स्तर को लेकर अनेक बार अंगुलियां उठती रही हैं। बोर्ड परीक्षाओं में नकल, प्रतियोगी परीक्षाओं में पर्चाफोड़ और अनियमितताओं आदि को लेकर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में अगर मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी दे भी दी जाए, तो उनके जीवन में कितना बदलाव आ जाएगा, कहना मुश्किल है। अगर शिक्षा का स्तर सुधारने को लेकर सरकार सचमुच संजीदा होती, तो वह शैक्षिक संस्थानों के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने, विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सुविधाएं बेहतर बनाने, स्कूल-कालेजों में अध्यापकों के खाली पदों पर भर्ती आदि पर जोर देती। स्कूटी, लैपटाप, टैबलेट, मोबाइल जैसे साधन देने से वास्तव में उन्हें कितना लाभ मिलेगा, इसका आकलन शायद नहीं किया गया। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार इकलौती नहीं है, जो ऐसी मुफ्त की योजनाओं पर जोर दे रही है, ज्यादातर राज्य सरकारों ने यही रास्ता पकड़ रखा है।

सेवा का उठाएं आसमान, जमीन पर रहें सियासी विमान

सरयूसुत मिश्रा

सियासत के अस्त के बाद कुछ याद रखा जाता है तो वह होती है, इमेज सियासत. आज विश्वास के संकट से गुजर रही है तो उसका कारण यही है कि,सियासी इमेज सेवा छोड़ सौदा तक पहुंचती जा रही है.. !

पीएम मोदी सियासी नुमाइंदों को इमेज पर निवेश की नसीहत दे रहे हैं तो इसके मायने बहुत गंभीर हैं. व्यक्ति, व्यवस्था, सरकार और सिस्टम की इमेज ही उसका वर्तमान और भविष्य बता देती है. बीजेपी के सांसदों, विधायकों, मंत्रियों और मुख्यमंत्री के साथ सीधे संवाद में पीएम ने कहा कि सत्ता, सेवा के लिए है. जनता की सेवा करोगे तो बरकरार रहोगे, कुछ और करोगे तो जनता इसे छीन लेगी. इसलिए जनता के बीच रहें उनके काम करें. जनता आपका व्यवहार देखती है, इसलिए अपना आचरण ऐसा रखें कि समाज के बीच आपकी छवि ठीक रहे.

पीएम मोदी पहले भी पार्टी के सांसदों, विधायकों से संवाद करते रहे हैं. मध्य प्रदेश की राजधानी में उन्होंने पहली बार रात्रि विश्राम किया. सबसे पहला सवाल यह उत्पन्न होता है कि, पीएम के मन के इस संवाद के कोई सियासी मायने हैं. मध्य प्रदेश में भाजपा संगठन हमेशा से मजबूत रहा है. इस मजबूती में किसी कमी की कसक क्या पीएम के मन में है.आजकल कोई व्यक्ति या व्यवस्था अगर यह मान ले कि उसका आचरण और उसकी कार्यशैली किसी की नजर से छिपी हुई है तो यह उसकी बहुत बड़ी गलती होगी. पीएम का पूरा संवाद सेवा, आचरण की शुद्धता, सार्वजनिक काम को प्राथमिकता और इमेज पर निवेश के लिए केंद्रित रहा है.

प्रधानमंत्री ने भले ही सिस्टम में करप्शन पर आक्षेप नहीं किया हो लेकिन सियासत में छवि का परसेप्शन जिन बातों से मिलकर बनता है उसमें करप्शन भी महत्वपूर्ण होता है. मंत्रियों और अफसरों के बीच तनाव को भी पीएम ने इशारों में कहा है. उनका कहना है कि, मंत्री नहीं अफसर काम करते हैं. मंत्री अच्छी छवि रखेंगे तो अफसर खुद काम में जुटे रहेंगे.

पीएम मोदी की एक-एक बात वर्तमान सियासी हकीकत पर चोट कर रही है. आज राजनीति में सामान्य रूप से सफल व्यक्ति भी काफिले के साथ चलता है. दरबारी संस्कृति उसकी जीवनचर्या बन जाती है. जनता जो उसकी मालिक है, वह भी बिना दरबारी संस्कृति से गुजरे अपने जनप्रतिनिधि से ही मिल नहीं पाती है.

मध्य प्रदेश में सरकारी सिस्टम की इमेज का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि, ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के सेवानिवृत एक सिपाही के यहाँ छापों में करोड़ों रुपए और पचासों किलो सोना जब्त होता है. ऐसी खबरें प्रधानमंत्री तक जरूर पहुंचती होगी. बडबोले बयान भी पीएम के कानों से गुजरते होंगे. जनता की तकलीफों से तो वह जरूर वाकिफ रहते हैं. मन की बात में विभिन्न राज्यों की छोटी-छोटी बातों को शामिल करना उनकी इसी शैली का प्रमाण माना जा सकता है.

बीजेपी का चुनाव चिन्ह कमल है. कमल, भारत का राष्ट्रीय पुष्प भी है. कमल का फूल जल से उत्पन्न होकर कीचड़ में खिलता है परंतु वह मानव को दोनों से निर्लिप्त रहकर जीवन जीने की प्रेरणा देता है. बुराई और गंदगी के बीच रहकर भी व्यक्ति अपनी मौलिकता और पवित्रता को बनाए रख सकता है. अपने संवाद में प्रधानमंत्री ऐसे ही सियासी कमलवत जीवन का संदेश पार्टी के जनप्रतिनिधियों को देते दिखाई पड़ रहे हैं.

वैकल्पिक राजनीति की बातें तो बहुत होती हैं. लेकिन वास्तव में बिना कमलवत सियासी जीवन के राजनीति का संकट दूर नहीं हो सकता. कांग्रेस को सत्ता से बेदखलकर कर अपनी सियासी जमीन तैयार करने वाली बीजेपी के सामने भी उसी प्रकार की समस्याएं दिखाई पड़ रही है.

लंबे समय से कांग्रेस सत्ता में नहीं है उसके बाद भी जरा से भी सफल कांग्रेस नेता का काफिला देखकर उनके धन, संपत्ति और वैभव का अंदाजा लगाया जा सकता है. कुछ इसी तरह बीजेपी के नेताओं के आचरण भी देखे जा सकते हैं.

सियासत में आर्थिक प्रगति के अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं. इनको देखकर तो ऐसा लगता हैकि, इससे अधिक आर्थिक प्रगति का कोई दूसरा क्षेत्र भारत में है ही नहीं. एक बार सांसद, विधायक और मंत्री बन जाने का मतलब है कि, पीढ़ियों की व्यवस्था हो जाएगी. राज्यों में सत्ता में बदलाव की तेज गति यही बताती है कि, सिस्टम की छवि और व्यवस्था की शैली से पब्लिक खुश नहीं होती.

पीएम मोदी ने अपने संवाद में जो बातें कही है, उसमें इसलिए नैतिक बल दिखाई पड़ता है क्योंकि उन्होंने अपना सियासी जीवन कमलवत बिताया है. आरोपों के जितने कीचड़ मोदी के खिलाफ उछाल गए हैं इतना तो शायद किसी राजनेता के खिलाफ नहीं किया गया होगा. इस सब के बावजूद भी सियासी आसमान तक उनका पहुंचना यही साबित करता हैकि, उनके आचरण की नैतिक ताकत उनका आधार है. सियासी आसमान भी झुक कर चलता है और दूसरों से यही अपेक्षा करता है कि, वह भी झुक कर जनता की सेवा करें तो यह भारतीय राजनीति में सुधार की जरूरत बता रहा है.

परसेप्शन में तो राजनीति झूठ का पर्याय बनी हुई है. राजनीति पर लोग विश्वास नहीं करते. राजनेताओं के सामने विश्वसनीयता का संकट है. राजनीति की किसी भी बात को समाज में विश्वसनीय नहीं माना जाता. शायद इसीलिए अब चुनाव जीतने के लिए सीधे नकद पैसे देने की रणनीति चालू हुई है. जब बातों का मूल्य समाप्त हो जाता है तो फिर खातों में धन देकर सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने का उपक्रम रचा जाता है.

संवाद के संदेशों को सही स्प्रिट में समझने की जरूरत है. मनुष्य पूरा जीवन अपनी इमेज के लिए ही निवेश करता है. ऐसा कहा जाता है कि, अनुपस्थिति में जिसकी याद सकारात्मक दृष्टि से की जाए उसी की इमेज सार्थक होती है. मध्य प्रदेश की बीजेपी के जन प्रतिनिधियों को पीएम मोदी ने सबसे बड़ा संदेश यही दिया हैकि, इमेज पर निवेश ही सबसे बड़ा निवेश है. इमेज बेहतर होगी तो बहुत सारे सकारात्मक बदलाव अपने आप आ जाएंगे.

अनुभूति से जो बातें कही जाती है, उनके बहुत गंभीर मायने होते हैं. पीएम मोदी के संदेश अनुभूति से उपजे हैं. उनकी सियासी जमीन आज आसमान पर है फिर भी आचरण झुका हुआ जमीन पर ही दिखाई पड़ता है. दूसरी तरफ नई-नई गीली सियासी जमीन वाले भी सियासत में मेवा देखते हैं और कदम भले जमीन पर रखते हैं लेकिन सियासी विमान आसमान में ही उड़ाते हैं. राजनीति को बदलने की जरूरत है और इसे बदलना ही एकमात्र रास्ता है.

बीजेपी का चुनाव चिन्ह कमल है. कमल, भारत का राष्ट्रीय पुष्प भी है. कमल का फूल जल से उत्पन्न होकर कीचड़ में खिलता है परंतु वह मानव को दोनों से निर्लिप्त रहकर जीवन जीने की प्रेरणा देता है. बुराई और गंदगी के बीच रहकर भी व्यक्ति अपनी मौलिकता और पवित्रता को बनाए रख सकता है. अपने संवाद में प्रधानमंत्री ऐसे ही सियासी कमलवत जीवन का संदेश पार्टी के जनप्रतिनिधियों को देते दिखाई पड़ रहे हैं. वैकल्पिक राजनीति की बातें तो बहुत होती हैं. लेकिन वास्तव में बिना कमलवत सियासी जीवन के राजनीति का संकट दूर नहीं हो सकता. कांग्रेस को सत्ता से बेदखलकर कर अपनी सियासी जमीन तैयार करने वाली बीजेपी के सामने भी उसी प्रकार की समस्याएं दिखाई पड़ रही है.

मर्यादा लांघता यूट्यूब का धंधा

राकेश दुबे

गुजरात पुलिस ने महाकुंभ के दौरान स्नान करती महिलाओं और प्रसूति गृह में शिशु जनन के वीडियो बनाने वाले यूट्यूबर गिरोह को पकड़ा है। इसी तरह यूट्यूब के एक कथित कॉमेडी शो से उठे राष्ट्रव्यापी विवाद के बाद आरोपी यूट्यूबर को गिरफ्तारी से राहत देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणियां की हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में आरोपी से कहा कि उसने अपने दिमाग में भरी गंदगी को उगला है। विचार का विषय है, ऐसा क्यों हो रहा है?

देश की सर्वोच्च अदालत ने रणवीर इलाहाबादिया के बयान पर कठोर टिप्पणी करते हुए कहा कि उसकी बातों से बेटियों, बहनों और माता-पिता को भी शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह ने केंद्र सरकार से पूछा कि वह सोशल मीडिया पर अश्लीलता रोकने की योजना बताएं, अन्यथा इस मामले में कोर्ट देखेगा। उल्लेखनीय है कि इन दोनों घटनाओं को लेकर पूरे देश में तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई।

कई राज्यों में अश्लील टिप्पणी करने वाले यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। दरअसल, रणवीर ने एक प्रतिभागी से उसके माता-पिता के निजी संबंधों को लेकर आपत्तिजनक सवाल किए थे। इस अमर्यादित व अश्लील टिप्पणी को लेकर देशव्यापी आलोचना की जा रही है। कालांतर यूट्यूब को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नोटिस के बाद इस एपिसोड को हटाना पड़ा था। दरअसल सोशल मीडिया पर ऐसी अश्लील व अभद्र टिप्पणी करने का यह पहला मामला नहीं है। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अनाप-शनाप बकने का सिलसिला पिछले लंबे समय से सोशल मीडिया पर चल रहा है। दरअसल, कई कॉमेडियन व कलाकार विभिन्न कार्यक्रमों में ऐसी बकवास करते रहते हैं ताकि उन्हें नकारात्मक चर्चा से व्यापक पहचान मिल सके। लगातार कोशिश होती रहती है कि वर्जित विषयों को कार्यक्रमों में शामिल करके तरह-तरह के विवाद खड़े किए जाएं। दरअसल, टीवी चैनल भी टीआरपी के गंदे खेल में ऐसे हथकंडे अपनाने से नहीं चूकते, जो विवाद पैदा करें। ऐसे कॉमेडी कार्यक्रमों की लंबी श्रृंखला है जो अश्लीलता, फूहड़ता और अभद्रता को अपने विषय वस्तु बनाते हैं।

पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर वर्जना तोड़ते कार्यक्रमों की बाढ़ सी आई हुई है। विडंबना यह है कि सोशल मीडिया में संपादक नामक संस्था का कोई स्थान नहीं है। जिसके चलते अभिव्यक्ति की आजादी की दुहाई देकर तमाम वर्जित विषयों व संवादों को तरजीह दी जा रही है। एक हकीकत यह भी है कि अभद्र, अश्लील, आपत्तिजनक और पोर्नोग्राफिक कंटेंट से सोशल मीडिया कंपनियों को भी मुनाफा होता है। कार्रवाई की मांग किए जाने पर ये विदेशी कंपनियां अमेरिकी कानून को अपना कवच बनाने का प्रयास करती हैं। आईटी मंत्रालय को आपत्तिजनक एप्स और कंटेंट को ब्लॉक करने का अधिकार है। लेकिन इसके बावजूद सोशल मीडिया की निरंकुश भूमिका को देखते हुए एक सख्त कानून की जरूरत महसूस हो रही है। इसके अभाव में ऐसे विवादित कार्यक्रम सुर्खियों में आते रहते हैं। हो-हल्ला होने के बाद प्राथमिकी दर्ज होती है, लेकिन बहुत कम मामलों में आरोपियों को सजा हो पाती है। उन्हें कानूनी संरक्षण देने वाले भी खुलकर सामने आते हैं।

महाकुंभ ने व्यापकता के लिए अनेक कीर्तिमान स्थापित किए

डॉ. राघवेन्द्र शर्मा

इस बार के महाकुंभ ने अपनी व्यापकता के चलते अनेक कीर्तिमान स्थापित कर दिए हैं। सबसे बड़ा कारण यही है कि महाकुंभ 144 साल बाद आया है। पिछले महाकुंभ में जो जीवित थे वह अब नहीं हैं। जो इस महाकुंभ में पुण्य स्नान कर पाए हैं वह अगले महाकुंभ में उपस्थित नहीं होंगे। क्यों है महाकुंभ महत्वपूर्ण और इन सबको अपने आप में समेटने वाला तीर्थराज प्रयाग किन मायनों में विशिष्ट है। आईए इन सभी पहलुओं पर धार्मिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक नजरिए से दृष्टिपात करते हैं। जैसा कि सर्व विदित है महाकुंभ में सबसे अधिक मान्यता गंगा, यमुना और सरस्वती की है। तो सबसे पहले इन नदियों के महत्व पर वार्ता करते हैं। जहां तक गंगा जी की बात है तो उनका धार्मिक महत्व जीव मात्र के उद्धार से ही जुड़ा हुआ है। यह कथा सभी ने कई बार पढ़ी होगी कि भगवान श्री राम के पूर्वज महाराज सगर ने अश्वमेध यज्ञ का घोड़ा छोड़ा तो उसे इंद्र ने चोरी करके कपिल मुनि के आश्रम में बांध दिया। ऐसा उसने यज्ञ को असफल करने के लिए किया था। क्योंकि इंद्र को आशंका थी, यह यज्ञ संपन्न होते ही राजा सगर इंद्रासन के अधिकारी हो जाएंगे। घोड़े की सुरक्षा में तैनात राजा सगर के पुत्र उसे खोजते हुए कपिल मुनि के आश्रम में पहुंचे और वहां घोड़े को पाकर कपिल मुनि को ही दोषी समझ बैठे और उन पर मिथ्या आरोप करने लगे। इस पर कपिल मुनि ने क्रोध अग्नि से राजा सगर के सभी पुत्रों को भस्म कर दिया। उनके उद्धार के लिए अनेक सूर्यवंशियों ने तपस्या की और अपने प्राण होम कर दिए। इसी वंश में भागीरथ जी उत्पन्न हुए उन्होंने तपस्या करके गंगा मां को पृथ्वी पर आने के लिए मना लिया। किंतु उनका तेज प्रवाह पृथ्वी को रसातल में ना डुबा दे, इसके लिए भागीरथ जी ने शंकर जी की तपस्या की। उन्होंने प्रसन्न होकर गंगा जी को शीश पर धारण करने के लिए सहमति जाता दी। इस प्रकार भगवान वामन के चरण धोने के लिए ब्रह्मा जी के कमंडल से उत्पन्न होने वाली गंगा जी देवलोक से चलकर पृथ्वी की ओर बढ़ीं तो उनका तेज प्रवाह रोकने के लिए शंकर जी ने उन्हें अपनी जटाओं में बांध लिया और फिर अनुशासित तरीके से उनकी धारा को पृथ्वी की ओर प्रवाहित कर दिया। फल स्वरुप राजा सगर के पुत्रों का उद्धार तो हुआ ही, गंगा मैया तभी से जीव मात्र का पृथ्वी पर कल्याण कर रही हैं।

इसके बाद यमुना जी का क्रम आता है। धर्म ग्रंथो के मुताबिक गंगा ज्ञान का, तो यमुना जी भक्ति रस का प्रतीक हैं। यही कारण है कि यमुना जी का भारतीय वांग्मय में अपना उत्कृष्ट स्थान भी है। पुराणों में यमुना के रंग को श्रीकृष्ण के रंग से जोड़ा गया है। यमुना को श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन नदी भी कहा जाता है। भक्ति साहित्य कहता है, यमुना सरस्वती की सहायक नदी है जो बाद में गंगा में मिल जाती है। उस मिलन स्थल को संगम कहते हैं। शास्त्र में यमुना को यमराज की बहन का दर्जा भी दिया गया है। जैसा कि धर्म ग्रंथ बताते हैं, यमराज और यमुना दोनों का ही रंग काला है। मान्यता यह भी है कि यमुना और यमराज सूर्य की दूसरी पत्नी छाया की संतानें हैं। छाया दिखने में काली होती है, इसलिए यमुना और यमराज का रंग भी काला ही हुआ। पौराणिक कथा ये भी है कि श्रीकृष्ण ने यमुना में ही कालिया नाग का वध किया था। फल स्वरूप कालिया नाग के विष से यमुना नदी का रंग और अधिक काला हो गया। तभी से यमुना की कृष्ण भक्ति चरमोत्कर्ष तक पहुंची और आशीर्वाद स्वरूप वह देव नदी गंगा मैया के समकक्ष स्थापित हुईं और तीर्थराज प्रयाग में इन दोनों महान नदियों का मिलन हो गया।

इस विषय में तीसरा क्रम सरस्वती नदी का आता है। तीर्थराज प्रयाग में संगम के पास स्थित एक रहस्यमयी स्थल सदैव ही भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा है। यह स्थान है सरस्वती कूप, जिसे सरस्वती नदी का गुप्त स्रोत माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सरस्वती नदी का प्रवाह इसी कूप से होता है और यही जल संगम में जाकर मिलता है। प्रयागराज किले के भीतर स्थित इस कुएं को वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने भी अध्ययन के माध्यम से संगम से जुड़ा पाया है। 2016 में किए गए एक परीक्षण में इस कूप के जल में रंग मिलाकर देखा गया। बाद में यह रंग युक्त जल त्रिवेणी के संगम स्थल पर प्रकट होता पाया गया, जिससे सिद्ध हुआ कि यह जल त्रिवेणी संगम में प्रवाहित होता है। उल्लेखनीय है कि इसे सरस्वती कूप कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां सरस्वती का उद्गम बद्रीनाथ के पास माणा गांव से होता है। एक पौराणिक कथा के अनुसार, महर्षि वेदव्यास जब 18 पुराणों की रचना कर रहे थे, तो सरस्वती नदी की तीव्र प्रवाह वाली जलधारा से उत्पन्न ध्वनि के कारण भगवान गणेश को सुनने में कठिनाई हुई। तब भगवान शिव के आदेश पर सरस्वती नदी पाताल लोक की ओर प्रवाहित हो गई।

महाकुंभ की ऐतिहासिक सफलता पर अनर्गल प्रलाप क्यों?

ललित गर्ग

महाकुंभ केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक एवं आत्मा है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं। ऐसे एवं कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के भ्रामक, त्रासद एवं गुमराह करने वाले बयानों से वहां जाने वाले लोगों को भयभीत, आतंकित और आशंकित किया गया। इन विपक्षी नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल एवं उपहास उड़ाते हुए लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये कब जागरूक एवं संगठित होगा?

प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है। जिसमें लगभग 62 करोड़ से अधिक लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने न केवल देश बल्कि दुनिया को चौंकाया है। यह दुनिया का पहला विशाल आयोजन है, जिससे भारत एवं सनातन धर्म का गर्व एवं गौरव दुनिया में बढ़ा है। बावजूद इसके विपक्षी नेता जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता, सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। विडम्बना देखिये कि इसका नुकसान उनको एवं उनके दल को भी हो रहा है। भारत में सनातन विरोध की राजनीति करके वे अपनी ही जड़े उखाड़ रहे हैं, यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है।

मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका-टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। पुरानी कहावत है, मियाँ को न पाऊँ तो बीवी को नोच खाऊँ वाली स्थिति विपक्षी नेताओं एवं दलों की हो चुकी है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, अनर्गल, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचना से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। विपक्षी नेता अपने नजरिए को बदलें और देश में नफरत और झूठ की राजनीति करके भ्रम फैलाने की ओछी राजनीतिक हरकतों से बाज आएं। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। विपक्षी नेताओं ने सारी हदें लांघते हुए जो तुलनाएँ की, जो अनर्गल प्रलाप किया है वह निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। प्रतीत होता है हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

कुछ विपक्षी नेताओं ने चुन-चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी, मानसिक दिवालियापन एवं अपरिपक्व सोच के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया, क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। अच्छा हो कि विपक्षी नेता यह समझें कि ऐसे आयोजनों पर उनकी बेजा एवं बेतुकी टिप्पणियां उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान ही पहुंचाती हैं।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। ऐसे लोग भूल जाते है कि हिन्दू भारत का बहुसंख्य वर्ग है, भारत एक हिन्दू राष्ट्र है, उसका विरोध करते हुए वे अपनी राजनीति जमीन को ही खोखला करते हैं। मोदी-योगी एवं भाजपा विरोध करते हुए वे राष्ट्र एवं सनातन विरोध पर उतर आते हैं। हिन्दू पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते है, जो धर्म एवं संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, विश्व मानवता को जोड़ने वाली है, उस पर कीचड़ उछाल कर वे सछिद्र नाव में सवार है। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं।

महाकुम्भ कोई नया आयोजन नहीं है, बल्कि यह वैदिक परंपरा से चला आ रहा है। ऋग्वेद, अथर्ववेद और श्रीमद्भागवत महापुराण में भी इसका उल्लेख है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इसे संकीर्ण राजनीतिक नजरिए से देखना अनुचित है। विपक्षी दलों के बयान ना सिर्फ़ उनके सनातन विरोधी चरित्र को दिखाता हैं बल्कि उनकी गिद्धदृष्टि को भी उजागर करता है जो महाकुंभ के खिलाफ़ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। जबकि विदेशों से आये मेहमानों ने महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है, इटली से आए एक श्रद्धालु ने कहा, यहां आकर जो मेरा अनुभव है, वह काफी शानदार रहा है। इटली के ही एक फोटोग्राफर ने कहा कि वह महाकुंभ की तस्वीरें लेने आए हैं। कुंभ में घूमने के दौरान कुछ लोगों से मिलने का मौका मिला। मुझे भारत की विविधता काफी अच्छी लगती है। उन्होंने बताया कि वह अब तक पांच कुंभ मेलों में शामिल हो चुके हैं, लेकिन यह उनमें सबसे बेहतर है। ब्रिटेन से आई एक श्रद्धालु ने कहा, बहुत खुश हूं। यह एक बहुत ही खास जगह है। यह काफी जादुई लगता है। बहुत, बहुत अच्छा, एक प्यारा अनुभव। ब्रिटेन के ही एक अन्य श्रद्धालु ने कहा कि यहां गंगा नदी में स्नान का अनुभव काफी अच्छा है। मैं समझता हूं कि भारत सबसे बढ़िया देश है। इस तरह भारत के गौरव को बढ़ाने वाली इन टिप्पणियों से न केवल महाकुंभ बल्कि सनातन संस्कृति का दुनिया में परचम फहराया है बल्कि उसमें चार चांद लगे हैं

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

आज बागेश्वर धाम जाएंगे सीएम विष्णुदेव साय, पंडित धीरेंद्र शास्त्री से करेंगे मुलाकात

छतरपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज छतरपुर दौरे पर रहेंगे । वे यहां बागेश्वर धाम में पंडित धीरेंद्र शास्त्री से मुलाकात करेंगे। इसके बाद देर शाम वापस लौट आएंगे।छतरपुर रवाना होने से पहले सीएम साय आज छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही में शामिल होंगे। आज दूसरे दिन कई मुद्दों को लेकर सदन गरमाने के आसार हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के उल्लेख के साथ सदन की कार्यवाही शुरू होगी। प्रश्नकाल में शिक्षा, वन, राजस्व विभाग पर चर्चा होगी। सीएम साय, वनमंत्री केदार कश्यप और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा विधायकों के सवालों जवाब देंगे।ध्यानाकर्षण में गृह और नगरीय प्रशासन विभाग का मुद्दा उठेगा। इसके साथ ही बिलासपुर के लोफंदी गांव में कई लोगों की मौत और अरपा नदी में प्रदूषण का मुद्दे को लेकर विपक्ष सरकार को घेर सकती है।

महिला बाल विकास परियोजना का बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर आयोजन

इटारसी। महिला बाल विकास विभाग परियोजना सेक्टर 2 के अन्तर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम वार्ड नंबर 6 के केंद्र 12 में आयोजित किया गया, जिसमें वार्ड की सहायक शिक्षिका निशा देव के द्वारा बालिका की सुरक्षा बालिका की स्वास्थ्य तथा बालिकाओं को जागरूकता के विषय में जानकारी दी गई । कार्यक्रम में वार्ड की अन्य महिलाओं ने भी भाग लिया इस दौरान सेक्टर सुपरवाइजर, सेक्टर सुपरवाइजर पूनम मौर्य द्वारा वार्ड की महिलाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के बारे में सविस्तार समझाया गया तथा बाल पीसीपीएनडीटी एक्ट को भी सा विस्तार समझाया गया बाल विवाह करना और करना कानूनी अपराध है बालिकाओं से संबंधित कानून की जानकारी भी दी गई बालिकाओं से संबंधित समस्त योजना के बारे में सविस्तार बताया गया, इस अवसर पर प्रभारी परियोजना अधिकारी दीप्ति शुक्ला, सहायक सहायक शिक्षिका निशा देव, पर्यवेक्षक पूनम मौर्य, पोषण कोऑर्डिनेटर हिना खान, वार्ड की महिलाएं सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

2 दर्जन से अधिक सदस्य की सहमति से मुजीव खान बने अध्यक्ष

लटेरी। कल बासौदा में स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस श्रमजीवी पत्रकार संघ की विदिशा जिले की समस्त इकाइयों का मिलन समारोह में रखा गया जिसमें जिले भर से सभी जिला एवं इकाइयों के अध्यक्ष तथा पत्रकार साथी उपस्थित रहे सभी का सामूहिक रूप से परिचय कराया गया कार्यक्रम में बासौदा एसडीएम एवं जनपद के अध्यक्ष तथा जिला अध्यक्ष नरेंद्र भदोरिया के साथ संगठन मंत्री हाकम सिंह सहित जिले भर के सभी पत्रकार मौजूदगी में लटेरी इकाई के अध्यक्ष पद की घोषणा की गई जिसमें लटेरी इकाई मुजीब खान को बनाया गया जिसमें लटेरी इकाई की ओर से मुजीब खान के पक्ष में 28 लोगों का लिखित सहमति पत्र जिला अध्यक्ष को सोपा गया सभी ने फूल मालाओं से स्वागत सत्कार कर मुजीव खान को नवीन पदभार संभालने की दी शुभकामनाएं।

औबेदुल्लागंज प्रीमियर लीग में वार्ड 5 विजेता रहा उप विजेता वार्ड नंबर 7 उमरिया रहा

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)– औबेदुल्लागंज प्रीमियर लीग टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट में 15 वार्डो का मैच हुआ 15 वार्डों की 16 टीमों ने भाग लिया जिसमें वार्ड क्रमांक 05 की खटीक ब्रदर्स ने फाइनल में जीत कर 15 वार्ड का कड़ा मुकबला जीता औबेदुल्लागंज नगर का गौरव बढ़ाया कैप्टन अमित खटीक कि अगबाई में उत्तरी 11 सदस्यों की टीम के सभी खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन रहा नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष राजेश खटीक देवेंद्र सिंह (राजू भैया), कमल मालवीय, दुर्गेश यादव, कमलेश लोधी, मनीष गोशिंदे, पंकज नागरानी आदि सभी टीम के खिलाड़ियों का एवं कप्तान अमित खटीक का फूल माला पहनाकर सम्मान किया एवं बधाई दी नगर वासियों ने क्रिकेट टूर्नामेंट की आयोजक समिति की प्रशंसा की

पशु कल्याण ,संरक्षण के लिए काम करने वालों को पुरस्कार नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 27 को

नरसिंहपुर.। भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड ने सभी मनोनीत मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि, गौशालाओं सहित सभी मान्यता प्राप्त पशु कल्याण संगठन के प्रतिनिधियों सहित सभी पशु प्रेमी पशु कल्याण एवं संरक्षण के लिए एडब्ल्यूबीआई पुरस्कार कार्यक्रम में भाग लेने हेतु आमंत्रण भेजा ।भारतीय पशु कल्याण बोर्ड एक वैधानिक सलाहकार निकाय है जिसकी स्थापना 1962 में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 (सं.59 1960) की धारा 4 के तहत की गई थी और वर्तमान में यह मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में कार्य कर रहा है। बोर्ड का उद्देश्य सामान्य रूप से पशु कल्याण को बढ़ावा देना और विशेष रूप से पशुओं को अनावश्यक पीड़ा से बचाना है। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड पशु कल्याण कानूनों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर सरकार को सलाह देता है और देश भर में पशु कल्याण को बढ़ावा देता है। इस संबंध में, बोर्ड के सचिव डाक्टर एस के दत्ता ने अपने आमंत्रित पत्र में कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि 14 जनवरी 2025 से पूरे देश में पशु कल्याण पखवाड़ा 2025 मनाया जा रहा है तथा मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार ने भी 14 जनवरी 2025 से 13 मार्च 2025 तक पशुपालन एवं पशु कल्याण माह मनाने का निर्णय लिया है ।

आईएएस प्रशिक्षण अकादमी के डायरेक्टर ने इंदौर की स्वच्छता देखी, इसे प्रशिक्षण में भी शामिल करेंगे

इंदौर। इंदौर की स्वच्छता का पाठ अब यूपीएससी में चयनित होने वाले आईएएस को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में भी दिया जाएगा। साथ ही यह भी बताया जाएगा कि इंदौर स्वच्छता में नंबर वन कैसे है, इसका प्रशिक्षण लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में आईएएस को दिया जाएगा। यह बात लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के डायरेक्टर श्रीराम तरणीकांति ने इंदौर के स्वच्छता मॉडल देखने के बाद कही।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के डायरेक्टर अल्प प्रवास पर इंदौर आए। इस दौरान उन्होंने सुबह शहर में कस्टम कॉलोनी में डोर टू डोर कचरा संग्रहण कार्य, रेसीडेंसी क्षेत्र स्थित यातयात पार्क में कम्पोस्टिंग सिस्टम, राजशाही स्थित जीटीएस, आईसीसीसी सेंटर, देवगुराडिया स्थित बायो गैस प्लांट व अन्य प्लांट का अवलोकन किया। इस दौरान अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अखिलेश उपाध्याय और अन्य विभाग अधिकारी उपस्थित थे।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के डायरेक्टर श्रीराम तरणीकांति ने सिटी बस ऑफिस स्थित आईसीसीसी सेंटर का भी अवलोकन किया। यहां निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि किस प्रकार से इंदौर स्वच्छता के साथ ही लोक परिवहन वाहनों के क्षेत्र में भी काम कर रहा है। इस दौरान स्मार्ट सिटी ऑफिस में अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने प्रेजेंटेशन के साथ इंदौर के स्वच्छता मॉडल के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के डायरेक्टर को इंदौर के स्वच्छता अभियान के विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले शहर में जगह-जगह कचरा पेटियां हुआ करती थी। कचरा पेटी के आस-पास कचरे के ढेर लगे होते थे। इसके बाद इंदौर ने स्वच्छता अभियान के तहत इंदौर को कचरा पेटी से मुक्त करते हुए शहर के चिंहित वार्ड में पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन चलाए। इनका जीपीएस सिस्टम के माध्यम से मॉनिटरिंग किया जा रहा है। सभी कचरा संग्रहण वाहन अपने निर्धारित रूट व समय पर अपने कार्य क्षेत्र में कार्य कर रहे है।

उन्होंने यह भी बताया कि शहर को ओडीएफ मुक्त कैसे किया। पहले गीला-सूखा कचरा संग्रहित किया जाता है, अब हर दिन 6 डस्टबिन की तर्ज पर 6 प्रकार का कचरा संग्रहित किया जा रहा है। थैला बैंक, बर्तन बैंक, डिस्पोजल फ्री क्षेत्र, जीरो वेस्ट इवेंट, जीरो वेस्ट शादी, नाला सफाई अभियान, नाला क्रिकेट, नाला मेडिकल चेकअप, नाला फुटबॉल, नाला दंगल व अन्य गतिविधियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहनो से संग्रहित कचरे को गार्बेज कचरा ट्रांसफर स्टेशन तक किस प्रकार से पहुंचाया जा रहा है।

यह भी बताया कि इस सेग्रिगेट कचरे को किस प्रकार से ट्रेंचिंग ग्राउंड पर डीसेंट्रलाईज्ड मटेरियल रिकवरी प्लांट व ड्राय वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट, कम्पोस्ट प्लांट में प्रोसेस किया जा रहा है। इसके साथ ही ट्रेंचिंग ग्राउंड में बायोगैस प्लांट के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह एशिया को बड़ा बायोगैस सीएनजी प्लांट है, जहां पर गीले कचरे से बायोगैस का निर्माण किया जाकर उसे लोक परिवहन में उपयोग किया जा रहा है।

सेवा संकल्पः एक प्रेरणादायी मंदिर - जिला कलेक्टर

सतना जिला अस्पताल परिसर में संचालित सेवा संकल्प संस्था का जिला कलेक्टर सतीश कुमार एस ने अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने संस्था की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि सेवा संकल्प एक मंदिर है और यहां सेवा देने वाले सभी लोग इस मंदिर के पुजारी हैं। उन्होंने संस्था की नियमित और व्यवस्थित सेवा को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

सेवा संकल्प संस्था पिछले 15 वर्षों से अनवरत रूप से जरूरतमंदों की सहायता कर रही है। कलेक्टर सतीश कुमार एस ने कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से बीमारी के दौरान परिजनों के कष्ट को महसूस कर चुके हैं, और ऐसे समय में जब किसी जरूरत मंद को सहायता मिलती है, तो वह आजीवन याद रखी जाती है। उन्होंने संस्था के विभिन्न प्रकल्पों को समझते हुए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि वे सेवा संकल्प को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

इसके अतिरिक्त, कलेक्टर सतीश कुमार एस ने सेवा संकल्प वस्त्र बैंक में नए वस्त्र वितरित किए और कहा कि यह पहल समाज में समानता और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने वस्त्र बैंक के कार्यों की सराहना की और इसे जरूरतमंदों के लिए एक महत्वपूर्ण सेवा बताया।

सेवा संकल्प के अध्यक्ष सुरेश बड़ेरिया ने कहा कि नियमित सेवा के इस प्रकल्प के नामकरण से लेकर सेवा के तौर-तरीकों का निर्णय भी बड़ी बारीकी से अध्ययन करके किया गया । सेवा के अंदर कमिटमेंट को शामिल करते हुए इसमें संकल्प शब्द जोड़ा गया और यह तय हुआ कि लोग अपने घर के पारिवारिक उत्सव, जन्म दिन, पुण्य तिथि, वैवाहिक सालगिरह या महापुरुषों से संबंधित तिथि और त्योहारों में इसी स्थल पर स्वयं आकर मनायेंगे और इसके लिये प्रति दिन के मान से एक सेवा राशि तय की गई । खाना पकाने वाली माताओं- बहनों को मां अन्नपूर्णा के नाम से पुकारा गया और कमेटी के अतिरिक्त भी अन्य लोगों, विशेष तौर पर रिटायर्ड बंधुओं को यहां अपनी सुविधानुसार आकर सेवा देने के लिये प्रेरित किया गया ।

जागेश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश प्रतिबंधित बाहर से ही जल चढ़ाने की अच्छी व्यवस्था

मेला व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों एवं मेला समिति के साथ बैठक संपन्न

दमोह। महाशिवरात्रि पर्व पर बांदकपुर में श्रृद्धालुओं को भगवान जागेश्चवरनाथ के दर्शन एवं बुनियादी सुविधाओं के मद्देनजर सागर डीआईजी सुनील कुमार जैन ने कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर और पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के साथ मंदिर सहित मेला प्रांगण का जायजा लिया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे, अपर कलेक्टर मीना मसराम, एडिशनल एसपी संदीप मिश्रा, एसडीओपी सहित अन्य विभागों के अधिकारी गण मौजूद थे।

सागर डीआईजी सुनील कुमार जैन ने कहा शिवरात्रि पर्व को लेकर जागेश्वरधाम में सारी सुरक्षा व्यवस्थाएं देखी हैं, बेरीकेटिंग की व्यवस्थाएं देखी है, इसमें जो कमियां थी उसके संबंध में पुलिस अधीक्षक से चर्चा की है, वह भी दुरुस्त कर ली जायेगी, हम पूरे तरह से आश्वस्त है, की सारी व्यवस्थाएं अच्छे से हो जाएगी। उसी को ध्यान में रखकर बेरीकेटिंग की व्यवस्थाएं की गई है, पिछली बार भी मैं आया था उससे अच्छी और विशेष व्यवस्था रहेगी। एडिशनल एसपी और एसडीओपी यहां पर लगातार कैंप करेंगे, आज से ही कैंप करेंगे। उन्होंने कहा बल काफी संख्या में रखना पड़ेगा। दर्शन को लेकर व्यवस्थाओं में सुधार किया गया है, बड़े तीर्थ स्थानों पर जिस प्रकार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है, उसी तरह से तय की गई है, जल चढ़ाते है तो वह सीधा शिवलिंग पर पहुंचे, इस प्रकार की व्यवस्थाएं की गई है।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा 26 फरवरी को मुख्यमंत्री का दौरा संभावित है, इस दृष्टि से आज पहले नोहलेश्वर महोत्सव गए थे वहां की पूरी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। बांदकपुर की पूरी व्यवस्थाएं देखी, कैसे कांवड़ियां प्रवेश करेंगे, कैसे श्रद्धालु प्रवेश करेंगे आएंगे, इस तरह से सारी व्यवस्थाएं देखी है, सभी अधिकारियों से चर्चा भी की हैं। सभी वरिष्ठ अधिकारियों की एक जॉइंट बैठक मंदिर समिति के साथ हुई है। इस बार प्रयागराज कुंभ के कारण श्रद्धालुओं के आने की संभावना ज्यादा है, भीड़ ज्यादा रहेगी, उसी हिसाब से पूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रहीं है। उन्होंने कहा सभी जगह महाशिवरात्रि का पर्व भी होता है, कोशिश की जा रही हैं कि जल्द से जल्द पुलिस बल उपलब्ध करालेंगे, हमारे पास पर्याप्त समय है, पर्याप्त व्यवस्था हो जाएगी। स्नान के लिये जो श्रद्धालु विश्राम घर में रूकेंगे उनकी व्यवस्था विश्राम घर में है, उसके अलावा हमारे पब्लिक टॉयलेट्स भी उपलब्ध रहेंगे और शौचालय की व्यवस्था भी की है, जितने हमारे पास संसाधन है उनको उपलब्ध कराने का प्रयास किये जा रहे हैं। दिव्यांगों के लिए यहां पर पर्याप्त मात्रा में व्हीलचेयर रखी जायेंगी, ताकि कोई दिव्यांग व्यक्ति आये तो उनके साथ केवल एक ही व्यक्ति को ही सहायक के रूप में अलाउ करेंगे, जो उनको प्रॉपर्ली दर्शन कराएंगे। इस बार श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए भगवान जागेश्वरनाथ मंदिर के गर्भ गृह में जाना प्रतिबंधित है, बाहर से ही जल चढ़ाने की बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है, जल सीधा शिवलिंग पर जाएगा, इस व्यवस्था से बहुत सरलता हो जाएगी। सभी से आग्रह है कि इस व्यवस्था में प्रशासन का सहयोग करें।

महाशिवरात्री, होली सहित अन्य त्योहार को शांति एवं सामाजिक सद्भाव के साथ मनाएं-कलेक्टर

मंडला। महाशिवरात्री, होली एवं आगामी त्यौहार के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि जिलेवासी महाशिवरात्री, होली सहित अन्य त्यौहारों को शांति एवं सामाजिक सद्भाव के साथ मनाएं। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, एसडीओपी पीयुष मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर जेपी यादव, मंडला एसडीएम सोनल सिडाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी तथा शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम में ध्वनि प्रदूषण पर पर्याप्त नियंत्रण रखें। साथ ही वातावरण को भी सकारात्मक रखें।होलिका दहन मुख्य मार्गों पर अथवा सार्वजनिक चौराहों के बीच में न करें। बिजली एवं टेलीफोन के तार को नुकसान न हो। अंजान व्यक्ति पर जबरन रंग या गुलाल न डालें। आपत्तिजनक नारेबाजी, उद्घोष न करें।विधिवत अनुमति प्राप्त कर ही निर्धारित मार्ग से ही रैली, जुलूस निकालें।आवागमन अवरूद्ध न होने दें। आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था हेतु एम्बूलेंस, पैरामेडीकल टीम तथा फायरब्रिगेड तैनात रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।साम्प्रदायिक सद्भाव कायम रखते हुए सौहाद्रपूर्ण वातावरण में पर्व मनायें।परीक्षा के दृष्टिगत कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का पालन करें।पर्व के दौरान निर्धारित स्थान पर ही भण्डारा आयोजित किया जाए,भंडारा में प्लास्टिक के दौना पत्तल का उपयोग न करें। भंडारे के पश्चात समिति स्वयं कचरा साफ कराए।

आबकारी अपराध में जब्त निर्णित मदिरा का किया गया नष्टीकरण

मंडला। जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा की उपस्थिति में गठित समिति द्वारा ग्राम आमानाला में विभिन्न प्रकरणों में जप्त मदिरा के विनष्टीकरण की कार्यवाही सोमवार को संपादित की गई। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34 (2) के अंतर्गत पुलिस विभाग द्वारा पंजीबद्ध 5 प्रकरणों में से थाना कोतवाली मण्डला द्वारा पंजीबद्ध 4 प्रकरणों में जप्त 351.12 लीटर देशी मदिरा, विदेशी मदिरा एवं कच्ची शराब तथा थाना नैनपुर द्वारा पंजीबद्ध 01 प्रकरण में जप्त 4158.36 लीटर विदेशी मदिरा, इस तरह कुल 4509.48 लीटर मदिरा को नष्ट किया गया है। इस अवसर पर आबकारी विभाग तथा पुलिस का दल मौके पर मौजूद रहा।

कांग्रेस नेता खातरकर का पार्टी से इस्तीफा, आमला बोरदेही और सारनी की सेवादल कार्यकारिणी भी भंग

सांध्य प्रकाश योगेश गुप्ता सारनी । सेवादल दल कांग्रेस सारनी के ब्लाक अध्यक्ष पद और प्राथमिक सदस्यता से नारायण खातरकर ने इस्तीफ़ा दे दिया है। खातरकर ने बताया कि कांग्रेस पिछले दिनों से जाति वाद आधरित राजनीति कर रही है। जिसके लिए जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वाग्द्रे और कांग्रेस के पूर्व विधायक और मंत्री रहे सुखदेव पांसे पर आरोप लगाया है। खातरकर ने कहा कि चुनाव के वक्त राजनैतिक पार्टी को सभी वर्ग समुदाय के वोट मिलते है। बाद भी राजनीति हित मे कांग्रेस पार्टी दुसरो के इशारे पर जानबूझकर विधान सभा आमला के अनुसूचित जाति के विधायक योगेश पंडाग्रे पर आरोप प्रत्यारोप कर रहे है। जिससे अनुसूचित जाति समाज के लोग इससे आहत है। उनका मानना है। कि अब आने वाले चुनाव कांग्रेस को अधिक नुकसान निश्चित है। श्री खातरकर ने क्षेत्र के चर्चित भाजपा नेता के आत्म हत्या के मामले भी जाति वाद की राजनीति करने का आरोप कांग्रेस पार्टी पर लगाया है। कहा कि यही कारण है । कि जिन्होंने शिवाजी जंयती कार्यक्रम का बहिष्कार कर सोशल मीडिया पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया भी दी थी। तो वहिं सेवादल कांग्रेस अध्यक्ष अनुराग मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी थी। जिसमे उन्होंने विधान सभा आमला सारनी प्रभारी जितेंद्र शर्मा पत्रकार को बिना हटाये बोरदेही और आमला सारनी की ब्लाक कार्यकारणी को भंग कर दिया है। खातरकर की इस्तीफे की एक प्रति पूर्व विधायक निलय डागा और जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमन्त वाग्द्रे को भेजी गई है। इस गम्भीर मामले पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वाग्द्रे ने दैनिक सांध्य प्रकाश को बताया कि कहा है। यह पूरा मामला क्षेत्रीय स्तर पर कांग्रेस पार्टी को टारगेट करने वाली राजनीति का एक हिस्सा है। पार्टी से असन्तुष्ट होकर इस्तीफ़ा देना अलग बात है। लेकिन श्री खातरकर के इस्तीफ़ा देने का कारण समझ से परे है। उह्नोने कहा कि कांग्रेस धर्म और जाति वाद की राजनीति कभी नही करती। कांग्रेस पार्टी पर क्षेत्र में सभी वर्गों की सम्मानित जनता का अटूट विश्वास है। वैसे भी अगर सेवादल अध्यक्ष श्री मिश्रा ने कार्यकारणी भंग कर दी है। तो इस्तीफ़ा का कोई औचित्य नही रहता। सभी पार्टी के नेता और जनप्रतिनिधि का अपना सम्मान होता है। श्री खातरकर को अपने स्वार्थ की राजनीति के लिए किसी भी समुदाय और जाति पर आरोप लगाकर टारगेट नहीं करना चाहिए ।

कलेक्टर ने जारी किया 44 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

सिवनी। कलेक्टर संस्कृति जैन की अध्यक्षता में सोमवार 24 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नवजीवन विजय, अपर कलेक्टर सी एल चनाप एवं अपर कलेक्टर सुनीता खण्डायत सहित सभी विभागों के कार्यालय प्रमुख उपस्थित थे, वहीं खंडस्तरीय अधिकारी वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में जुड़े थे। बैठक में कलेक्टर संस्कृति जैन ने सीएम हेल्प लाइन, समयसीमा में दर्ज प्रकरणों जनसुनवाई के आवेदन, विभिन्न आयोग के पत्रों में लंबित आवेदनों सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। कलेक्टर जैन ने सीएम हेल्प लाइन प्रकरणों की विभागवार विस्तृत समीक्षा करते हुए विभाग की अनुभागवार रैंकिंग की भी समीक्षा की तथा कम प्रगति वाले 44 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने अधिकारियों को अधिकतम शिकायतों को संतुष्टी से बंद कराने के साथ-साथ 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों को त्वरित रूप से निराकृत करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर सुश्री जैन द्वारा लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत अधिसूचित सेवाओं के आवेदनों का समय सीमा में निराकरण न करने वाले अधिकारियों को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये हैं।

भारत में अमेजन प्राइम सदस्यों को सबसे तेज़ डिलीवरी स्पीड मिली

मुंबई। हर साल, अमेज़न ग्राहक सिर्फ प्राइम सदस्यता लेकर बड़ी बचत कर रहे हैं। 2024 में, प्राइम सदस्यों को अब तक की सबसे तेज़ डिलीवरी मिली और उन्होंने पहले से कहीं अधिक बचत की। 2024 में अमेजन इंडिया ने प्राइम सदस्यों के लिए अब तक की सबसे तेज डिलीवरी की और 41 करोड़ से ज्यादा आइटम उसी दिन या अगले दिन पहुंचाए, जिससे ग्राहकों को उनकी जरूरत का सामान समय पर मिला। सिर्फ समय ही नहीं, बल्कि प्राइम सदस्यों ने तेज और मुफ्त डिलीवरी पर पिछले साल औसतन 3300 रुपये से अधिक की बचत भी की है, जो वार्षिक प्राइम सदस्यता शुल्क से दोगुनी से भी ज्यादा है। दुनियाभर में, अमेजन प्राइम ने पिछले साल 9 अरब से ज्यादा उत्पाद उसी दिन या अगले दिन डिलीवर किए और प्राइम सदस्यों ने तेज और मुफ्त डिलीवरी पर करीब 95 अरब डॉलर की बचत की है।

ग्लोब टेक्सटाइल्स कंपनी का शानदार प्रदर्शन

अहमदाबाद । टेक्सटाइल उद्योग में अग्रणी कंपनियों में से एक ग्लोब टेक्सटाइल्स ने थर्ड क्वार्टर और नौ महीनों के फायनान्शियल रीजल्ट्स की घोषणा की है। कंपनी ने रेवेन्यू और प्रोफिट में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है, जो कंपनी की बिज़नेस स्ट्रेटेजी और ओपरेशन्स की सफलता दर्शाती है। 31 दिसंबर 2024 को खत्म हुए क्वार्टर के लिए रेवेन्यू 46.2 प्रतिशत 15,159.21 लाख हो गया जबकि पिछले वर्ष की इसी समयावधि में यह 10,367.19 लाख था। कंपनी का नेट प्रोफिट 53.7 प्रतिशत बढ़कर 291.42 लाख हो गया जो पहले 189.55 लाख था।

कलर्स के सेलेब्स ने महाशिवरात्रि के अपने रिवाज़ों और मान्यताओं के बारे में खुलकर बात की

मुंबई। कलर्स के 'राम भवन' में ओम का किरदार निभा रहे मिश्कत वर्मा कहते हैं, मुझे महादेव का दर्शन बेहद प्रासंगिक लगता है- अतीत की बातों को भूलकर, वर्तमान में यकीन करो, और आगे की सफर के प्रति पूर्ण समर्पण करो। इन मान्यताओं ने मुझे एक इंसान के तौर पर बेहतर बनाया है, जिससे मुझे अपनी ज़िंदगी और अपने क्राफ्ट में शांति और स्पष्टता मिली है। इससे भी खास बात यह है कि राम भवन में मेरा किरदार, ओम, इन्हीं आदर्शों का प्रतीक है- दृढ़ता, सच्चाई, और नियति पर अटूट विश्वास- ये आदर्श महादेव की शिक्षा के मूल में हैं। मैं महा शिवरात्रि के अवसर पर शिव मंदिर जाऊंगा और कुछ समय ध्यान करूंगा। यह पवित्र रात हमें याद दिलाती है कि धैर्य, यकीन, और ईश्वर की कृपा पर विश्वास हमें सबसे कठिन तूफानों से भी निकाल सकता है।

उद्योग श्रम कौशल विकास में समन्वय हो तो 13 लाख रोजगार की संभावनाएं

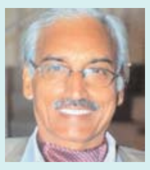

त्वरित टिप्पणी
जी. के. छिब्बर

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रथम बार हो रहे 2 दिवस के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्धघाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया जो फिलहाल उत्साह जनक प्रतीत हो रहा है जिसमे 22 लाख करोड़ से भी अधिक निवेश के प्रस्ताव होना देर रात तक बताया गया है जिसका यदि निष्पादन हो जाए तो भविष्य मे 13 लाख तक के रोजगार के अवसर अनुमानित है यदि यह संभव हो जाए तो मध्यप्रदेश के आर्थिक विकास के लिए शुभ संकेत ही कहा जायेगा। इसमें अडानी समूह 1.10 करोड़ रिलायंस 60 हजार करोड़ अवदा समूह 50 हजार करोड़ एवम् ओ पी जी समूह 13400 करोड के पंतांजलि 5 हजार करोड़ एनटीपीसी 80 हजार करोड़ हिंडाल्को 15 हजार करोड़ टोरेंट पावर 26 हजार पांच सो करोड़ आदि निवेश प्रमुख है । यदि भोपाल के आसपास स्थापित औद्योगिक क्षेत्र देखा जाए तो मंडीदीप सबसे बड़ा है जहा वर्तमान में लगभग 650 उद्योग है उसके बाद गोबिंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र है जहां 1100 छोटे बड़े उद्योग है इसी तरह पीलू खेड़ी बंगरोधा एवम अचारपुरा भी औद्योगिक क्षेत्र स्थापित है लेकिन अधिकांश औद्योगिक इकाई आर्थिक संकट में ही है।

नर्मदापुरम मोहसा बाबई नया उभरता हुवा औद्योगिक क्षेत्र है जहां असीम संभावनाएं है इस प्रकार मध्यप्रदेश जेसे बड़े राज्य में इंदौर ग्वालियर जबलपुर के साथ अनेक शहर है जहां सूक्ष्म ,लघु मध्यम एवम छोटे बड़े उद्योग स्थापित किए जाने चाहिएं जिससे मध्यप्रदेश का चौतरफा विकास हो सके। यह उल्लेखनीय है किसी भी छोटे बड़े उद्योग को स्थापित करना आसान नहीं है अनेकों लाइसेंसी मुश्किलें है पर्यावरण, प्रदूषण ,फैक्ट्री एवम् सुरक्षा के लाइसेंस और अनापत्ति में अड़ंगे लगते हैं इसके बाद अनेकों श्रम कानूनों एवम सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के पालन का दबाव से निवेशक त्रस्त हो जाते है इसलिए कई उद्योगपति उद्योग स्थापना का विचार छोड़ देते हैं। शुक्ष्मत, लघु और माध्यम उद्योग भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार बन सकते हे यदि उन्हें श्रम कानूनों से मुक्त कर अथवा सीमित श्रम कानूनों का सरंक्षण देकर प्रोत्साहित किया जाए जैसे छोटे किसानों को सरकार मदद करती है

माध्यम और बड़े उद्योगों को कुशल श्रमिको का संकट रहता है कौशल विकास इसके लिए आवश्यक है आईटीआई और पोलोटेक्निकल शिक्षा इंजीनियरिंग शिक्षा और प्रशिक्षण उच्च स्तर का करना होगा अभी सभी औद्योगिक प्रतिष्ठान स्वयं का प्रशिक्षण देकर कामगारों को योग्य बनाते है और जब वह प्रशिक्षित हो जाता है तो दूसरे संस्थानों में अधिक वेतन पर नियोजित हो जाते है जो नए उद्योग के लिए गंभीर चिंता की स्थिति है आज के प्रतिस्पर्धा के युग में बड़ा उद्योग स्थापित करना भी बड़ा जोखिम है शासन को उदार लाइसेंस नीति एवम् संतुलित श्रम नीति भी बनानी होगी ताकि नियोजक और श्रमिक समन्वय से कार्य कर सके हालांकि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हर संभव सुविधा देने का आश्वासन दिया है लेकिन यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

पूंजी का विनियोग समुचित श्रम के सहयोग के बिना संभव नहीं है मजदूरों को उचित मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा के लाभ विधिवत मिलते रहे तो राष्ट्र की समृद्धि संभव है

आशा की जानी चाहिए की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के परिणाम भविष्य में सार्थक साबित होंगे। यदि वर्तमान निवेशकों के 50 प्रतिशत भी औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो जाए तो मध्यप्रदेश देश के राज्यो मे शीर्ष पर पहुंच सकता है

ओपीजी ग्रुप ने 13 हजार 400 करोड़ का एमओयू किया साइन

भोपाल। रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में एमपी में काफी संभावनाएं हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पहले दिन ऊर्जा क्षेत्र में सात एमओयू 3.71 लाख करोड़ के साइन किए गए। इससे एमपी की ऊर्जा क्षेत्र में तस्वीर बदलने वाली है। ओपीजी ग्रुप मध्यप्रदेश में सोलर, विंड, हाइब्रिड पॉवर जनरेशन, ग्रीन हाइड्रोजन और बैटरी स्टोरेज के क्षेत्र में 13 हजार 400 करोड़ रुपए का एमओयू साइन कर निवेश कर रहा है। जिसमें स्माल मॉड्यूलेटर रियक्टर की 300 मेगावाट की दो यूनिट कुल 600 मेगावाट में 10 हजार करोड़ और सोलर, विंड, हाइड्रो, बैटरी स्टोरेज में 3 हजार 400 करोड़ का निवेश होगा। ओपीजी ग्रुप के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर मुरुगेश्वरन चक्रपाणि ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर निवेश का करार किया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने राजस्थान के मुख्यमंत्री से की सौजन्य भेंट

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर हुई चर्चा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जयपुर अल्प प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री निवास में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सौजन्य भेंट की। बैठक में दोनों प्रदेशों के बीच समन्वय एवं सहयोग को सुदृढ़ करने तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, भाजपा मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा मध्यप्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी एवं मध्यप्रदेश भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

बंपर पैदावार बनी किसानों की मुसीबत, जशपुर में 1 रुपए किलो बिक रहे टमाटर

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में टमाटर की राजधानी कहे जाने वाले जशपुर जिले में टमाटर की खेती करने वाले किसान भारी नुकसान झेल रहे हैं। खेतों में तैयार फसल का खरीदार नहीं मिल रहा, जिससे किसान टमाटर सड़कों पर फेंककर विरोध जताने को मजबूर हैं। लुड़ेग क्षेत्र में थोक में 1 रुपये तो खुदरा में 5 रुपये प्रतिकिलो की दर से टमाटर बिक रहा है। आलम यह है कि खेती की लागत तो दूर तुड़ाई की कीमत भी किसान नहीं वसूल पा रहे हैं।किसानों के अनुसार, दूसरे राज्यों में भी टमाटर की भरपूर पैदावार हुई है, जिससे प्रदेश के किसान अपनी उपज बाहरी मंडियों में नहीं भेज पा रहे। नतीजतन, टमाटर खेतों में ही सड़ने लगा है। यह स्थिति छह साल बाद फिर से बनी है, जिससे किसान कर्ज चुकाने तक में असमर्थ हो रहे हैं।जिले में लगभग 1 लाख एकड़ में टमाटर की खेती होती है, जिसमें करीब 11 हजार किसान शामिल हैं। एक बीघे में टमाटर की खेती पर 20 से 25 हजार रुपये की लागत आती है, जबकि सामान्य स्थिति में इससे डेढ़ से दो लाख रुपये तक की कमाई हो सकती है। खासतौर पर हाइब्रिड टमाटर की खेती मल्चिंग विधि से की जाती है, जिसमें लागत अधिक होती है, लेकिन मुनाफा भी ज्यादा होता है। मौजूदा हालात में किसान सरकार से राहत की उम्मीद कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि टमाटर की खरीद के लिए कोई ठोस योजना बने ताकि उनकी मेहनत बेकार न जाए। किसानों ने सरकार से मांग की है कि वह टमाटर की खरीद के लिए उचित दाम तय करे और उनकी फसल को बचाने के लिए जरूरी कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने समय रहते कदम नहीं उठाए, तो उनकी स्थिति और भी बदतर हो जाएगी।

8 साल बाद बनी ऐसी स्थिति: टमाटर के दाम बेहद ज्यादा गिर जाने से 8 दिसंबर 2016 को टमाटर उत्पादक किसानों ने कई टन टमाटर पत्थलगांव की मुख्य सड़कों पर फेंक दिए थे। उस वक्त टमाटर एक रुपए में चार किलो तक गिर चुका था।

मैक्रों ने ट्रम्प से मुलाकात में कहा : यूक्रेन की संप्रभुता यूरोप की स्थिरता के लिए जरूरी

वाशिंगटन। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यूक्रेन की संप्रभुता यूरोप की स्थिरता के लिए जीवन-मरण का सवाल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रूस के साथ युद्ध को खत्म करने वाली कोई भी शांति संधि यूक्रेन के समर्पण के रूप में नहीं होनी चाहिए। मैक्रों ने कहा, यह शांति यूक्रेन का आत्मसमर्पण नहीं हो सकती, न ही बिना गारंटी का संघर्ष विराम। यह बयान ऐसे समय आया जब अमेरिका, रूस के साथ मिलकर यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिश कर रहा है। मैक्रों ने यूक्रेन के लोगों के साहस की तारीफ करते हुए कहा, कोई भी ऐसी दुनिया में नहीं रहना चाहता जहां ताकत का कानून चलता हो। यूक्रेन ने हमारी सामूहिक सुरक्षा की रक्षा की है। उसने अपनी स्वतंत्रता और संप्रभुता के लिए पिछले कुछ वर्षों में लड़ाई लड़ी, जो हमारी साझा सुरक्षा के लिए भी है। ट्रम्प द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की को तानाशाह कहे जाने के संदर्भ में मैक्रों ने स्पष्ट किया कि रूस इस संघर्ष में आक्रामक है और राष्ट्रपति पुतिन ने शांति भंग की।उन्होंने यह भी कहा कि फ्रांस यूक्रेन में शांति के लिए वित्तीय जिम्मेदारी उठाने को तैयार है, और यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा के लिए और योगदान देना चाहिए। दूसरी ओर, ट्रम्प ने यूक्रेन युद्ध को भयानक, खूनी संकट करार दिया, जिसने यूक्रेन और रूस की एक पूरी पीढ़ी को तबाह कर दिया। उन्होंने जो बाइडन की नीतियों से अलग हटने का वादा करते हुए कहा कि उनकी सरकार रूस के साथ शांति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। ट्रम्प ने दावा किया कि अगर वे राष्ट्रपति होते तो यह युद्ध कभी नहीं होता और पिछले तीन सालों की तुलना में उन्होंने शांति के लिए ज्यादा प्रगति की है। उन्होंने मैक्रों के इस विचार का स्वागत किया कि शांति का खर्च और बोझ यूरोपीय देशों को उठाना चाहिए, न कि सिर्फ अमेरिका को।

सेवादार 6 दिवसीय यात्रा में सेवा कार्यों में तत्पर रहेंगे

भोपाल। नि:शुल्क यात्रा में सेवादार 6 दिवसीय यात्रा में यात्रियों के साथ सेवा कार्यों में तत्पर रहेंगे। मालवा ट्रेन में नियन्त्रण कोच से भोजन , नाश्ता, पानी सेवादारों को वितरण सेवा कार्य - यात्रा प्रमुख हरीश खण्डेलवाल एवम सहयोगी सेवादार महेंद्र खण्डेलवाल - जगदीश खण्डेलवाल - विजय धामानी - श्रवन एबोट। यात्रियों की आरक्षित निर्धारित स्थानों पर बैठाने के लिए सेवा कार्य मुख्य कोच इनचार्ज एडवोकेट एस के सक्सेना एवम अन्य सहयोगी सेवादार। यात्रा प्रस्थान व्यवस्था एवम शालीमार भोजनालय भोजन प्रसादी - सेवा कार्य नरेश भट्ट - मनीष काले - जे पी मिश्रा एवम अन्य सहयोगी सेवादार। देवी जागरण हेतु व्यवस्था में पुजा सामग्री एवम चाय नाश्ता प्रसादी वितरण सेवा कार्य - मुख्य सेवादार नरेंद्र पाटीदार एवम अन्य सहयोगी सेवादार ।5. यात्रियों को पंक्तिबद्ध चेक कर - अनुशासित रखना - स्वस्थ्य का ध्यान एवम दवाइयों का वितरण सेवा कार्य - यात्री समन्वयक स्वाती शिवदे एवम अन्य सहयोगी सेवादार। मालवा ट्रेन में फ्लेक्स - स्टीकर- माता के जागरण व्यवस्था अन्य सेवा कार्य विनीत पटेल एवम अन्य सहयोगी सेवादार। संस्था के बेग एवम महत्वपूर्ण सामग्री - कमल जाटव एवम अन्य सहयोगी सेवादार। छै दिवसीय यात्रा में माता के जयकारे एवम भजनों की प्रस्तुति प्रमुख सेवादार रोहित गुप्ता - स्वाती शिवदे एवम सहयोगी सेवादार कलाकार। फोटो ग्राफर विडियो अजय गाकरे एवम सहयोगी सेवादार। यात्रा में शामिल आमंत्रित परिजनों को यात्रा के नियमों की जानकारी एवम सावधानी के लिए सेवा कार्य जगदीश खण्डेलवाल खजूरी एवम सहयोगी सदस्य। मां वैष्णो देवी दर्शन यात्रा के लिए 7 माह पूर्व से सेवा कार्य प्रारंभ कर - ग्रामीण क्षेत्र - झुग्गी बहुल क्षेत्रों में यात्रा की जानकारी देना। चयनित सेवादार एवम यात्रियों की साथ निरन्तर बैठक में मां वैष्णो देवी दर्शन को वंचित भक्तों को यात्रा के लिए तैयार कर दर्शन के लिए मोतियों की माला तैयार करना छै दिवसीय यात्रा में यात्रियों के साथ रह कर सिर्फ जय माता दी उद्घोष के साथ अद्भुत आनन्द की अनुभूति मां के सेवा कार्य निमित्त विजय खण्डेलवाल एवम सहयोगी सेवादार - यात्रा में शामिल परिवार के सदस्य।

हॉलीवुड की टॉप मार्केटिंग कंपनी मॉब सीन अब भारत की कनेक्ट मीडिया का हिस्सा

मुंबई। हॉलीवुड की मशहूर क्रिएटिव मार्केटिंग कंपनी मॉब सीन को भारत की कनेक्ट मीडिया ने खरीद लिया है। मॉब सीन ने अवतार, ड्यून, बार्बी और जुरासिक वर्ल्ड जैसी बड़ी फिल्मों के लिए शानदार मार्केटिंग कैंपेन तैयार किए थे। इस अधिग्रहण से ग्लोबल एंटरटेनमेंट मार्केटिंग में एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। कनेक्ट मीडिया इन दिनों भारत में कई फिल्मों का निर्माण कर रही है, जिनमें शामिल हैं- संगीत उस्ताद इलैयाराजा की बायोपिक, जिसमें धनुष मुख्य भूमिका में हैं। वृषभ फिल्म, जिसमें मोहनलाल नजर आएंगे। एक अनटाइटल्ड फिल्म, जिसमें एक बड़े एक्शन स्टार काम कर रहे हैं। यह कदम भारतीय और वैश्विक फिल्म इंडस्ट्री के बीच सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी पहल माना जा रहा है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के मसले पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा- विदेशी मामलों पर नहीं देते सरकार को निर्देश

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अत्याचार का मसला उठाने वाली याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने मना कर दिया है. कोर्ट ने कहा है कि यह दूसरे देश का मामला है. याचिका में केंद्र सरकार से दखल के लिए कहने की मांग की गई थी, लेकिन कोर्ट ने कहा कि वह विदेश नीति के मामलों में सरकार को निर्देश नहीं देता. लुधियाना के रहने वाले उद्योगपति राजेश ढांडा ने वकील मनोहर प्रताप के जरिए यह याचिका दाखिल की थी. याचिका की पैरवी के लिए वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी पेश हुए, लेकिन चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामला सुनने में असमर्थता जताई. इसके बाद रोहतगी ने याचिका वापस ले ली. सुनवाई के दौरान मुकुल रोहतगी ने बताया कि याचिकाकर्ता इस्कॉन से जुड़े हैं, वह गौशाला चलाने समेत कई कल्याण कार्य करते हैं. वह बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति देख कर चिंतित हैं. याचिका में यह मांग भी की गई थी कि नागरिकता संशोधन कानून (ष्ट) के तहत 2014 की जो कट ऑफ तारीख रखी गई है, उसे बंगलादेश से आने वाले हिंदुओं के लिए आगे बढ़ा दिया जाए.

संत शिरोमणि रविदास महाराज, भगवान बुद्ध एवं अंबेडकर प्रतिमा स्थापित की

भोपाल। पूज्य संत शिरोमणि रवि दास विहार समिति एकता पुरी अशोका गार्डन भोपाल के अध्यक्ष गोविंद प्रसाद निवारे ने बताया कि संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती समारोह बड़ी धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर भगवान बुद्ध एवं संत शिरोमणि रविदास महाराज एवं भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा भी स्थापित की गई। एकता पुरी अशोका गार्डन में पुरानी एवं छोटी मूर्तियों के स्थान पर नई एवं बड़ी मूर्तियों की स्थापना कर जे एन कंसोटिया अपर सचिव गृह विभाग म प्र. शासन भोपाल, राजेश बांधेवाल प्रदेश अध्यक्ष जांगड़ा महा सभा भोपाल, भंते शाक्य पुत्र सागर थै रो बी डी अहिरवार दोहरे सा दिनेश बरखाने, एल एल अहिरवार एवं अन्य तमाम सामाजिक संगठन के अध्यक्ष एवं सदस्यों के समक्ष मूर्तियों का अनावरण किया गया तथा गुरु रविदास की आरती पूजा कर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सागर भंते एवं उपाध्यक्ष अमरू राम बरखाने कोषाध्यक्ष मोहन सिंह अहिरवार मिडिया प्रभारी आर पी सिलोरिया सदस्य भागीरथ प्रसाद अहिवार अरूण सिलोरिया सचिव पूज्य संत शिरोमणि रविदास विहार समिति उपस्थित रहे।

लक्ष्मीपति समूह के 17वें स्थापना दिवस पर सम्मानित होंगे संतोष योगी

भोपाल। लक्ष्मीपति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, भोपाल द्वारा 25 फरवरी को 17वें स्थापना दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर हेडलाइन 24 के संपादक एवं पत्रकार संतोष योगी को सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन शाम 5ः00 बजे से अमझरा रोड, खजुरी कलां, भोपाल स्थित संस्थान परिसर में किया जाएगा। लक्ष्मीपति समूह शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है और इस वर्ष की थीम %स्टंभ 2025ः एजुकेट, एलिवेट, एम्पावर% पर आधारित होगी। संस्थान द्वारा जारी आधिकारिक निमंत्रण पत्र के अनुसार, कार्यक्रम में शिक्षा जगत के दिग्गजों, पत्रकारिता और सामाजिक सेवा से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रहेगी। संस्थान के प्रवक्ता ने बताया कि लक्ष्मीपति समूह पिछले 17 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दे रहा है और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान विशेष सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शिक्षा, समाज और पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी।

ग्रीन वैली सैनिक स्कूल के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

भोपाल। ग्रीन वैली सैनिक स्कूल के छात्रों को शैक्षिक भ्रमण मे एक अद्वितीय और प्रेरणादायक अनुभव प्राप्त हुआ जब कराओके वर्ल्ड चैंपियनशिप इंडिया 2024 की विजेता विजया लक्ष्मी एवं ममता सक्सेना एमडी-1 अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता मंच की डायरेक्टर ने उनके साथ वार मेमोरियल (युद्धस्थल) एवं शौर्य स्मारक में समय बिताया। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, साहस और आत्मविश्वास की भावना को प्रबल करना था। इस अवसर पर स्कूल के चेयर पर्सन प्रो. विजय कुमार रिटा.आई.आई.एफ एम. एवं स्कूल प्रबंधक डॉ. खुशराज धोटे, प्राचार्य प्रियंका विश्वकर्मा, शिक्षिका मिनी एस. वैध, पूजा मीना ,स्मिता मॉरण सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने देश के वीर शहीदों को नमन किया और उनके बलिदान से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्रीय भावना को और सशक्त करने का संकल्प लिया। विजेता कलाकारों ने अपने अनुभव साझा किए और छात्रों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत, समर्पण और आत्मविश्वास की महत्ता को समझाया। यह आयोजन न केवल छात्रों के लिए प्रेरणादायक रहा, बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में भी योद्धा स्थल में सूबेदार नरेश चंद्र एवं मेजर संजय जरियाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यूरोपीय देशों ने अमेरिकी मसौदे में संशोधन किया, भारत, चीन, यूएई ने मतदान से दूरी बनाई

वाशिंगटन। यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली ने सोमवार को रूस से यूक्रेनी क्षेत्रों से तत्काल वापसी की मांग करते हुए दो अलग-अलग प्रस्तावों को मंजूरी दी. यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने इस प्रस्ताव को तैयार और पेश किया था, और 93 देशों ने इसके पक्ष में मतदान किया, 18 ने इसका विरोध किया और भारत समेत 65 देशों ने वोटिंग से परहेज किया. यह प्रस्ताव रूस यूक्रेन युद्ध की तीसरी वर्षगांठ पर आया है. 193-सदस्यीय यूएन जनरल असेंबली में एक प्रस्ताव पेश किया गया था. प्रस्ताव में कहा गया है कि युद्ध की वजह से हुई भारी तबाही और मानव पीड़ा को कम करने की कोशिश की जानी चाहिए. यह प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है. संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाए गए इस कार्यक्रम ने यूक्रेन के लिए समर्थन व सम्मान को दोहराया है, लेकिन इससे यह भी स्पष्ट हुआ है कि कीव के लिए समर्थन में कमी आई है. प्रस्ताव में कहा गया है कि युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान अत्यंत आवश्यक है. भारत ने हालांकि इस प्रस्ताव में वोटिंग से दूरी बनाई. इतना ही नहीं इजरायल और अमेरिका ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया है. मसलन, इस प्रस्ताव पर वोटिंग के दौरान सभा में भारत की गैरमौजूदगी रही. प्रस्ताव में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि युद्ध के बंदियों का पूर्ण अदला-बदली, अवैध रूप से गिरफ्तार सभी लोगों की रिहाई और जबरन भेजे गए बच्चों सहित सभी नागरिकों की वापसी किए जाने की भी मांग की गई है. यह प्रस्ताव इस बात की भी पुष्टि की है कि तीन साल के रूस-यूक्रेन संघर्ष में 12,600 से अधिक नागरिकों की मृत्यु हुई है और कई लोग घायल हुए हैं. महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस संघर्ष को समाप्त करने की आवश्यकता को दोहराया, उन्होंने कहा काफी हो गयाऔर युद्ध के अंत के लिए अपील की. अमेरिका ने एक अन्य प्रस्ताव भी पेश किया, जिसमें रूसी संघ-यूक्रेन संघर्ष के दौरान हुई दुखद जनहानि पर शोक जाहिर किया गया. फ्रांस ने इस दौरान पेश किए गए एक मसौदा संशोधन में अमेरिका द्वारा पेश किए गए चैप्टर में रूसी संघ-यूक्रेन संघर्ष को रूसी संघ द्वारा यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण से बदलने की मांग की. संशोधित प्रस्ताव 93 देशों ने समर्थन दिया, 8 ने इसका विरोध किया और 73 देशों ने प्रस्ताव पर वोटिंग से दूरी बनाई.

शिवरात्रि के पावन पर्व पर हवन पूजन एवं विशाल भंडारा

छिंदवाड़ा। जय भोले शिव शक्ति मंदिर के पुजारी राजेश पाल बाबाजी ने बताया कि मंदिर प्रांगण में शिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 6 फरवरी दिन बुधवार को दो अभिषेक एवं 27 दिन गुरूवार को एक अभिषेक ऐसे कुल 3 अभिषेक एवं हवन पूजन और भंडारे का आयोजन किया गया है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि इस चमत्कारी पिंडी जहॉ कि मनोकामना पूर्ण होती है अपने मनोकामना पूर्ण करने के लिये अधिक से अधिक संख्या में अभिषेक में शामिल हो । श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर एवं हर हर महादेव सेवा समिति के द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 26 फरवरी के दिन बुधवार को शाम 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक स्थानीय कलेक्टर आफिस के सामने छिंदवाड़ा में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। उक्ताशय की जानकारी मंदिर समिति के वीरेन्द्र विश्वकर्मा ने देते हुये बताया कि इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भण्डारा प्रसादी ग्रहण करें।

बाल-भक्ति: नन्हे हाथों से गुल्लक में जमा किए मंदिर निर्माण के लिए पैसे

छिंदवाड़ा। श्री बड़ी माता मंदिर नवनिर्माण कार्य चल रहा है। जिसकी लागत कुछ लगभग 15 करोड़ रुपए के आस पास जा रही हैं। इस मंदिर नवनिर्माण में माता के भक्तगण अपने सामर्थ्य अनुसार हर छोटा बड़ा सहयोग दे कर पुण्य के भागी बन रहे हैं। इसी तारतम्य में विगत खिरकापुरा निवासी पिता राजकुमार सोनी के 9 वर्षीय पुत्र अवनीश सोनी ने अपने गुल्लक में जमा राशि अपने जन्मदिन के अवसर में माताजी के नवनिर्माण में भेंट किए। जिसमें कुल राशि 7001 रुपए के आस पास थी। उसने अपनी स्वेच्छा से खुशी खुशी मां के भव्य मंदिर में गुल्लक की जमा राशि का सहयोग दे कर प्रसन्नता प्रकट की। इस अवसर में मंदिर ट्रस्ट के महंत पुजारी के पुत्र भगवता चार्य वेदाचार्य पंडित रूपेश शास्त्री, कोषाध्यक्ष अखिलेश भारद्वाज, नयन चौरसिया ने यह बच्चे के सामर्थ्य की सराहना की साथ ही ट्रस्ट सदस्यों समस्त भक्त गणों से मंदिर नवनिर्माण को लेकर तन मन धन से अपने परिवारजनों से जुड़े शुभ अवसरो पर मंदिर को आर्थिक रूप से अवश्य सहयोग करने की अपील की।

ईश्वर सर्वव्यापी है सच्चे मन से आराधना करने पर ही वह फल देता है

सौसर। ईश्वर सर्वव्यापी है लेकिन उसकी सच्चे मन से आराधना करने पर ही वह फल देता है यह उदगार मोहगांव हवेली में अर्धनारीश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के प्रांगण में भागवत सप्ताह के अंतर्गत व्यास पीठ से अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथाकार देवी चित्रलेखा ने व्यक्त किया प्रारंभ में देवी चित्रलेखा ने अर्धनारीश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना किया व्यास पीठ पर चित्रलेखा का स्वागत नगर पालिका अध्यक्ष संदीप घाटोडे ने सब पत्नीक किया कथाकार देवी चित्रलेखा आगे कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने अनेक लीलाए किया है जिसका उल्लेख भागवत ग्रंथ ने किया है भागवत का उपदेश अपने जीवन पर करने पर जीवन धन्य होना प निश्चित है सत्य पर चलो जिससे सब कुछ अच्छा होता है ।

कांस्य पदक प्राप्त बॉडी बिल्डर पूजा तिवारी का सांसद ने किया सम्मान

छिंदवाड़ा। दिल्ली में 15 एवं 16 फरवरी को नोएडा स्थित इंडोर स्टेडियम में आयोजित मिस्टर एंड मिसेस एशिया प्रतियोगिता में छिंदवाड़ा की पूजा तिवारी ने कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। सोमवार को सांसद कार्यालय पहुँची पूजा तिवारी का सांसद बंटी विवेक साहू ने सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि उक्त प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश सहित दिल्ली, नेपाल, बांग्लादेश सहित अन्य देशों के खिलाड़ियों ने भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस दौरान उनके साथ उनके कोच एवं अन्य लोग उपस्थित थे। सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज देशभर में खेलों के कई आयोजन हो रहे है।

जिला स्तरीय स्टेंडिंग कमेटी की बैठक 28 को

छिन्दवाड़ा। जिले में नगरीय निकाय चुनाव के तहत रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) शीलेन्द्र सिंह ने मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अंतर्गत नगरीय निकायों के लिये फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण का आदेश जारी किया है। इस पुनरीक्षण के अंतर्गत 01 जनवरी 2025 की संदर्भ तिथि को आधार मानकर रिक्त पदों वाली नगरीय निकाय के लिये मतदाता सूची तैयार की जाना प्रस्तावित है।

एसआरएम के चांसलर को आईसीडी से प्राप्त हुआ ऑनररी फैलोशिप का सम्मान

चेन्नई। इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री सेक्शन वीआई (भारत, श्रीलंका और नेपाल) ने एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के फाउंडर चांसलर डॉ. टी.आर. पारीवेंधर को ऑनररी फैलोशिप प्रदान करते हुए सम्मानित किया है। नॉन-डेंटिस्ट/नॉन-मेडिकल क्षेत्र मेंयह डिस्टिंक्शनशायद ही कभी किसी को मिलती है, परंतु डॉ पारीवेंधर जी को यह प्रतिष्ठित फेलोशिप प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह फेलोशिप शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा वितरण के क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मानित करता है। कट्टनकुलथुर स्थित एसआरएम आइएसटी में एसआरएम कट्टनकुलथुर डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित आईसीडी की वार्षिक बैठक एवं दीक्षांत समारोह के दौरान डॉ. पारीवेंधर को इन दोनों क्षेत्रों में उनके असाधारण योगदान के लिए पहचाना गया था।

बंधन म्यूचुअल फंड ने नया बंधन क्रिसिल-आईबीएक्स 10:90 गिल्ट + एसडीएल इंडेक्स दिसंबर 2029 फंड लॉन्च किया

मुंबई। बंधन म्यूचुअल फंड ने अपना नया बंधन क्रिसिल-आईबीएक्स 10:90 गिल्ट + एसडीएल इंडेक्स - दिसंबर 2029 फंड लॉन्च करने की घोषणा की है, जो एक ओपन-एंडेड टारगेट मैच्योरिटी इंडेक्स फंड है जो निवेशकों को एक स्ट्रक्चर्ड और सॉवरेन-समर्थित निवेश का मौका प्रदान करता है। यह फंड 90त्न स्टेट डेवलपमेंट लोन्स (एसडीएल) और 10त्न सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) वाले पोर्टफोलियो में निवेश करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दिसंबर 2029 में निर्धारित मैच्योरिटी के साथ, यह फंड निवेशकों को निवेश अवधि और रिटर्न क्षमता पर स्पष्टता के साथ विकसित ब्याज दर साइक्लि में भाग लेने की सुविधा देता है। नए फंड के लॉन्च के मौके पर, विशाल कपूर, सीईओ, बंधन एएमसी ने कहा कि फिक्सड-इनकम लैंडस्कैप तेजी से डेवलप हो रहा है।

मैमोग्राफी मशीन प्रारम्भ न होने पर कलेक्टर नाराज

स्कूलों में न हो नकल, कलेक्टर प्रतिनिधि प्रश्नपत्रों की गोपनीयता सुनिश्चित करें सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र में ईंट भट्टों का निरीक्षण कर कोयला सप्लाई की वैद्यता की जांच करने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार एवं अपर कलेक्टर के.सी.बोपचे सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी एवं जिला मुख्यालय के अधिकारी कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में उपस्थित थे, जबकि अन्य सभी एसडीएम, सीईओ जनपद पंचायत, सीएमओ सहित सभी खंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि परीक्षाओं में नकल बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जायेगी। सत्र के प्रारंभ से ही जिला प्रशासन द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता पर फोकस किया गया है, परीक्षा भी गुणवत्तापूर्ण हो। नकल का एक भी प्रकरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलेक्टर प्रतिनिधि प्रश्नपत्रों की गोपनीयता सुनिश्चित रखें। उड़नदस्ता दल मॉनिटरिंग ठीक ढंग से करें। परीक्षा में ड्यूटीरत सभी शासकीय सेवक समय पर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए बोर्ड परीक्षाओं का निर्बाध और सुचारू संचालन सुनिश्चित कराएं।

एसडीएम करेंगे ईंट भट्टों की जांच

कलेक्टर सिंह ने खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण से जुड़ी खबरों को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। माइनिंग ऑफिसर को अपनी टीम के साथ और सभी एसडीएम को अपने अपने क्षेत्र में संचालित सभी ईंट भट्टों की जांच कर यह देखने के निर्देश दिए कि भट्टों में उपयोग हो रहा कोयला वैध है या नहीं। बिल, बाउचर्स नहीं मिलने और खनिज का अवैध भंडारण पाए जाने पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं।

सभी गोशालाओं में लगवाएं गो काष्ठ निर्माण मशीन

नगरीय निकायों के शवदाह ग्रह में आवश्यकता को देखते हुए और आगामी होली के त्योहार के दृष्टिगत कलेक्टर सिंह ने उप संचालक पशुपालन को जिले की सभी गोशालाओं में गो काष्ठ और कंडे निर्माण कराने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने सभी गो शालाओं में गो काष्ठ बनाने वाली मशीन लगवाने के लिए निर्देशित किया है।

समूहों के मिलेट्स प्रोडक्ट को ऑनलाइन प्लेटफार्म उपलब्ध करायें

कलेक्टर सिंह ने कहा कि जिले के महिला स्व सहायता समूहों द्वारा बनाए जा रहे मिलेट्स के उत्पादों को सभी जगह सराहना मिल रही है। जिला प्रबंधक एन.आर.एल.एम. इन उत्पादों को ऑनलाइन प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करें। रनर की व्यवस्था भी करें। जिले के उत्पाद जिस तरह भोपाल मार्ट में रखे जा रहे हैं, नागपुर में भी रखवाएं। समूहों के माध्यम से ब्लॉक तामिया, हर्रई व अमरवाड़ा में चिरौंजी प्रसंस्करण की यूनिट लगवाएं।

निरोगी काया अभियान का हो बेहतर क्रियान्वयन

राष्ट्रव्यापी निरोगी काया अभियान के अंतर्गत 20 फरवरी से 31 मार्च तक 30 वर्ष से ऊपर के सभी व्यक्तियों के ब्लड शुगर, बीपी और नॉन एल्कोहोलिक फैटी लीवर डिसीज की जांच की जाएगी। जिनकी पहले जांच हो चुकी है, उनकी रिस्क्रीनिंग की जाएगी, बाकियों की फ्रेश स्क्रीनिंग की जाएगी। जमीनी स्तर पर यह कार्यवाही सी.एच.ओ., ए.एन.एम और आशा कार्यकर्ता द्वारा की जाएगी, जिसके बाद इसकी ऑनलाइन एंट्री की जाएगी। कलेक्टर ने जिले में निरोगी काया अभियान के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए हैं। उन्होंने कहा कि बीमारी का समय से पता चलने पर उपचार समय पर हो जाता है और इन बीमारियों से आकस्मिक मृत्यु की घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।

अस्पतालों का भी निरीक्षण करने के निर्देश

कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों को स्कूलों के निरीक्षण के दौरान संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र और स्वास्थ्य केंद्रों का भी निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं।

मैमोग्राफी मशीन शुरू न होने पर नोटिस

जिला अस्पताल में डब्ल्यू.सी.एल. परासिया के माध्यम से प्राप्त मैमोग्राफी मशीन का संचालन अभी तक शुरू नहीं होने पर कलेक्टर सिंह ने कड़ी नाराजगी जताई और सीएमएचओ व सिविल सर्जन को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।बैठक में समय सीमा के प्रकरणों की समीक्षा के साथ ही कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन, सीएम हाउस, सीपीग्राम, जनसुनवाई, न्यायालय के लंबित प्रकरणों, लंबित पेंशन प्रकरणों एवं विभिन्न विभागों से संबंधित अंतर्विभागीय विषयों की भी समीक्षा की और शीघ्र अपेक्षित कार्यवाही के निर्देश दिए है।

कांग्रेस ने अव्यवस्थाओं के खिलाफ निकाली रैली, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अविलम्ब सुचारू व्यवस्थाएं निर्मित करने की मांग

परासिया। शहर कांग्रेस परासिया की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्त पत्र प्रदान किए गए साथ ही संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई। परासिया शहर में नगर पालिका की उदासीनता के चलते फैली अव्यवस्थाओं के खिलाफ कांग्रेस ने रैली निकाली और एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर अविलम्ब सुचारू व्यवस्थाएं निर्मित करने की मांग की। एवं परासिया शहर कांग्रेस की आयोजित बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे, परासिया विधायक सोहन बाल्मीकि, विधानसभा प्रभारी राजीव तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष कमल राय व जनपद उपाध्यक्ष जमील खान और नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद बिजौलिया ने संबोधित किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक के हस्ते नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्त पत्र प्रदान किए गए। परासिया कांग्रेस संगठन की प्रशंसा की। धरना प्रदर्शन आंदोलन ज्ञापन में जो परासिया जिले में सबसे आगे हैं। कांग्रेस के वक्ताओं ने परासिया नगरपालिका के भ्रष्टाचार व नाकामी का उल्लेख किया साथ ही भाजपा सरकार में फलफूल रहे अवैध धंधों का उल्लेख किया। बैठक में मंच संचालन व आभार प्रदर्शन शहर अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने किया। परासिया शहर कांग्रेस के तत्वावधान में शहर के भीतर व्याप्त जनसमस्याओं के विरोध में परासिया शहर कांग्रेस कार्यालय से रैली निकालकर नारेबाजी करते हुए ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। कांग्रेस ने प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेख किया कि करीबन दो वर्षों से गंदा मटमैला खदान का पानी सप्लाई होने से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। वहीं टैक्स वृद्धि को वापस लेना नगरपालिका अध्यक्ष के भ्रष्टाचार की जांच को सर्वाजनिक करने व कार्रवाई करने की मांग, अवैध कॉलोनी के नाम बांटे गए नोटिस वापस लेने सहित कर्मचारियों की मांग को जनहित में शहर में व्याप्त अव्यवस्थाओं को सुधारने एवं शहर में अवैध धंधों पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग करते हुए ज्ञापन देकर आंदोलन की चेतावनी दी। आयोजित बैठक व रैली में कांग्रेस जिला अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे,परासिया विधायक सोहन बाल्मीकि, विधान सभा प्रभारी श्री राजीव तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष कमल राय, जनपद उपाध्यक्ष जमील खान नगरपालिका अध्यक्ष गोविंद बिजौलिया, अशोक आम्रवंशी, समन्वयक बसंत मालवीय, महिला अध्यक्ष अंजली श्रीवास्तव, शहर अध्यक्ष सावित्री वर्मा, पार्षद पुनम कैथवास, पार्षद रुक्मा बसोड, पार्षद प्रतिमा बैस, युका अध्यक्ष मुकुल दुबे, शहर अध्यक्ष स्वप्निल करानिया, मोनू ठाकुर, सुरेन्द्र झाड़े अलाउद्दीन खान, भगवानदीन यादव, अशोक शर्मा, मोहम्मद शकील रबल भमरा, अशोक डेहरिया, खान, राज धुर्वे, जुनैद खान, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

छिंदवाड़ा। पार्किंग स्थल वाहन का प्रकार, रेल्वे स्टेशन के सामने का मैदान, दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहन,चार फाटक ओव्हर ब्रिज के नीचे रिक्त स्थान-दो पहिया, चार पहिया वाहन,दादा धुनी वाले मंदिर के सामने-चार पहिया वाहन, रेल्वे क्वाटर की तरफ जीआरपी थाने के पास-दो पहिया वाहन, गुप्ता फर्नीचर के बाजू में-दो पहिया वाहन, मोक्षधाम रोड गुल्लू भाई के खेत में-दो पहिया वाहन,सामर्थ्य इंजीनियरिंग के सामने खुला मैदान-दो पहिया चार पहिया वाहन शासकीय कार्यो / आवश्यक वस्तुओ के परिवहन में लगे अनुमति प्राप्त. वाहनो का प्रातः 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक भारी वाहनो का शहर मे प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा आवश्यकतानुसार इस अवधि को विस्तारित भी किया जा सकेगा। अति आवश्यक परिस्थितिया होने पर थाना यातायात के फोन नंबर 7049130153 एवं यातायात व्यवस्था प्रभारी 7000549056 पर पूर्व सूचना देकर निर्देशित मार्ग से वाहनो का परिवहन सुनिश्चित किया जावेगा।

इमरजेंसी सेवाओ जैसे – फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस आदि वाहन इस व्यवस्था से मुक्त रहेंगे, आवश्यकता पड़ने पर यातायात मोबाइल के माध्यम से वाहनो को निकाला जायेगा। किसी भी इमरजेंसी की स्थिति मे एम्बुलेंस वाहनो को ग्रीन कारीडोर बनाकर मार्ग उपलब्ध कराया जावेगा, इस हेतु थाना यातायात के फोन नंबर 7049130153 एवं यातायात व्यवस्था प्रभारी 7000549056 पर पूर्व सूचना देना अनिवार्य होगा।

बिना पोस्ट मैन के ही पहुँचने वाला पत्र है प्रार्थना

श्रीमद् भागवत् सप्ताह कथा तृतीय दिवस

छिंदवाड़ा। प्रार्थना एक ऐसी संस्तुति है जो अपने इष्ट के प्रति बिना किसी देरी के बिना किसी के सहारेतत्क्षण परमात्मा के पास पहुँच जाती है। उन्होंने बताया कि संसार की किसी वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजने के लिये पोस्टमैन की आवश्यकता पड़ती हैं, लेकिन हृदय से समर्पित की गई प्रार्थना एक ऐसी अभिव्यक्ति है जो बिना किसी पोस्टमैन के ही तत्क्षण गन्तव्य स्थान तक पहुच जाती है।कथा कम में कपिल देव इति सवांद पर प्रकाश डालते हुए आचार्य श्री ने कहा कि देवहूति जी ने पति कर्दम के वन की ओर चले जाने पर पुत्र कपिल के पास आई और प्रार्थना करतेहुए बोली कि हे प्रभु हमें संसार के बंधन से मुक्त होने का मार्ग प्रदान करें। मां देवहूति की प्रार्थना को भगवान कपिल ने तत्क्षण स्वीकार किया और ऐसा उपदेश प्रदान किया कि देवहूति जी संसार सागर से मुक्त होकर सिद्धिरा नाम की नदी के रूप में परणितहोकर मुक्त हो गई। आगे सती चरित्र की उपारूपान आचार्य श्री ने विस्तार से श्रोताओ को श्रवण कराया जिससे कथा प्रांगण का वातावरण शिव मय हो गया। परम भक्त ध्रुव जी के चरित्र पर व्याख्यान देते हुए उन्होने कहा कि मात्र पांच वर्ष की अवस्था में ध्रुव को दर्शन देकर अखण्ड राज्य प्रदान करते हुए उनके लिये ध्रुव लोक का निर्माण में कर दिया। आचार्य श्री ने बताया कि प्रभु के दर्शन के लिये व्यक्ति को सत्संग सेवा सुमिरन में हमेशा लीन रहना चाहिये। और अपने को मानव बनाने का प्रयत्न करो तुम यदि इसमें सफल हो गये तो तुम्हे इस कार्य में सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होगी। कुसंगति की अपेक्षा अकेले रहना सबसे उत्तम कार्य है।कल की कथा में विशेष महोत्सव के रूप में श्री कृष्ण जन्म विशेष धूम धाम सेमनाया जायेगा।

गुस्सा कम करने , आवला खाये

छिंदवाड़ा। राजेश साहू, रघुवीर साहू द्वारा आयोजित कथा में अन्तर्राष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य श्री मृदुल कृष्णा गोस्वामी ने कहा कि गुस्सा नहीं करना चाहिये जो गुस्सा करता है उसका नुकसान ज्यादा होता है जबकि सामने वाले कम होता है। गुस्सा न आये इसके लिए उन्होने उपाय बताया कि सुबह आंवले का सेवन एवं रात्रि में गुलकन्द का सेवन करना चाहिये। इससे गुस्सा आने में कमी आयेगी। इसी तरह उन्होने माता पिता से कहां कि अपने बच्चों को झूठ कहना न सिखलाये, यदि वे झूठ बोलेंगे तो बाद में माता पिता को ही भुगतना पड़ेगा।

सहयोग निधि की राशि भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव को दी

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के समर्पण पर्व के तहत भाजपा युवा नेता शंटी बेदी ने सहयोग निधि की राशि भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव को दी, इस अवसर पर विजय झांझरी, दिवाकर सदारंग, संजय अग्रवाल, अजय सक्सेना उपस्थित थे।

कमलनाथ व नकुलनाथ 27 को आयेंगे

विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे नेताद्वय

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ का छिन्दवाड़ा आगमन होने जा रहा है। आगमन उपरांत नेताद्वय छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्ना जिला कांग्रेस द्वारा आयोजित आयोजनों में सम्मिलित होने के साथ ही ईमलीखेड़ा स्थित सीआईआई स्किल सेन्टर के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ चार दिवसीय दौरे पर छिन्दवाड़ा आ रहे हैं, जबकि पूर्व सांसद नकुलनाथ तीन दिवसीय दौरे पर छिन्दवाड़ा में रहेंगे। इस दौरान नेताद्वय विभिन्न आयोजनों में उपस्थित होने के साथ ही पांढुर्ना जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित बैठक में भी सम्मिलित होंगे।पूर्व सीएम कार्यालय द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार दिनांक 27 फरवरी 2025 को प्रातः 10 बजे कमलनाथ एवं नकुलनाथ का विशेष वायुयान से ईमलीखेड़ा स्थित हवाई पट्टी पर आगमन होगा, तत्पश्चात ईमलीखेड़ा स्थित सीआईआई प्रशिक्षण केन्द्र एवं बजाज सर्विस टेक्निकल एक्सीलेंस प्रोग्राम का शुभारंभ करेंगे। तदोपरांत नेताद्वय का शिकारपुर आगमन होगा, तदोपरांत कमलनाथ जी जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, जबकि नकुलनाथ विधायक निधि से निर्मित होने वाले कार्यों का भूमिपूजन करने दोपहर 3.30 बजे उप ब्लॉक पश्चिम के वार्ड क्रमांक 40 राजनगर पहुंचेंगे। अपराहंत 4.30 बजे पूर्व उप ब्लॉक के वार्ड क्रमांक 13 जगन्नाथ स्कूल के पास आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर विधायक निधि के कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। नकुलनाथ का सांय 5.15 बजे नगर निगम ग्रामीण भाग एक के ग्राम सारना में आगमन होगा जहां वे विधायक निधि से निर्मित होने वाले कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे,तदोपरांत उनका शिकारपुर आगमन होगा।

ग्राम पंचायत के लोकल यूथ सर्वेयर ने अपनी मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमरवाड़ा। अनु विभाग के अंतर्गत ग्राम पंचायत के ग्रामों में लोकल यूथ सर्वेयर ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अमरवाड़ा एसडीएम हेमकरण धुर्वे को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि हम सभी ग्रामीण अंचलों में8 प्रति खसरे के हिसाब से भुगतान होता है लेकिन हमें मासिक वेतन दिया जाए, सभी सर्वेयर को पहचान पत्र दिए जाएं, शासन के द्वारा दुर्घटना बीमा सुरक्षा प्रदान किया जाए बिना नोटिस के कोई भी सर्वेयर को नहीं हटाया जाए लोकल यूथ सर्वेयर के नाम रोजगार सहायक की तर्ज पर राजस्व सहायक का दर्जा दिलाया जाए रुका हुआ खरीफ सर्वे का पैसा दिलाया जाए सर्वे की दूरी जीरो से हटाकर 50 मीटर की जाए बारिश के दिनों में रेनकोट जूते छाता प्रदान किया जाए इन सभी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया है इस दौरान अनिल अहरवार नवीन आशीष नीलेश रविशंकर विवेक वर्मा आशुतोष वर्मा अजय देवेश डेहरिया-शिवशंकर डेहरिया दिग्विजय सिंग् प्रवीण अहरवार मौजूद रहे।

फाइनल में करण 11 की धमाकेदार जीत, 2 लाख नकद इनाम

योगेश गुप्ता बैतूल। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में क्रिकेट प्रेमियों के लिए 24 फरवरी का दिन यादगार रहेगा। स्व.रामाधार मालवीय की स्मृति में समीर खान फैंस क्लब द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच रोमांचक रहा। करण 11 और मेहता एजेंसी के बीच खेले गए मैच में करण 11 ने जीत दर्ज कर 2 लाख रुपये नकद पुरस्कार प्राप्त किया। जबकि मेहता एजेंसी को उपविजेता के तौर पर 1 लाख रुपये का इनाम दिया गया। टूर्नामेंट कमेटी के अखिलेश मालवीय द्वारा दोनों टीमों को नकद पुरस्कार प्रदान किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। टॉस जीतकर मेहता एजेंसी ने पहले गेंदबाजी की करण 11 के बल्लेबाजों ने धुआंधार बल्लेबाजी की और 12 ओवर में 181 रन का विशाल स्कोर बनाया। वहीं मेहता एजेंसी टीम कुल 131 रन बनाकर 50 रन से हार गयी। मैच में करण 11 के केडी ने 80 रन की पारी खेली और मैन ऑफ द मैच जीता। गेंदबाजी में संतोष सिंह ने चार विकेट लिए और करण 11 को नुकसान हुआ। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का समापन हर्ष और आतिश बाजी से किया गया। मैन ऑफ द सीरीज पुरस्कार अनस को मिला। और स्कूटी प्रदान की गई। बेस्ट बैट्समैन का अवार्ड जीतू साहू ने जीता। जबकि संतोष सिंह को बेस्ट बॉलर का खिताब दिया गया। फील्डिंग में शानदार प्रदर्शन करने वाले आर्यन चिमटे को बेस्ट फील्डर और अतुल शर्मा को बेस्ट कैच के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य पूर्व विधायक मंत्री सुखदेव पांसे पार्वतीबाई बारस्कर , धरमू सिंह सिरसाम, अरुण सिंह किलेदार, पत्रकार मयूर भार्गव, अनुराग मिश्रा, लल्ली वर्मा, बृजभूषण पांडे, डॉ. नितिन देशमुख और योगी खंडेलवाल मौजूद रहे। समीर खान अखिलेश मालवीय ने अतिथियों, खिलाड़ियों, कमेटी मेंबर्स और दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

कुबेरेश्वर धाम में प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा आज से, किए गए खास इंतजाम

सीहोर के कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में 25 फरवरी यानी आज से रुद्राक्ष महोत्सव आयोजित हो रहा है। पंडित प्रदीप मिश्रा की अध्यक्षता में इस भव्य आयोजन की तैयारियां पूरी की गई हैं। विठलेश सेवा समिति और प्रशासन इस आयोजन के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बता दें कि, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सहित कई अलग-अलग राज्यों से 2 हजार से अधिक सेवादार पहुंच चुके हैं।

सभी श्रद्धालुओं के लिए 25 एकड़ में विशाल कथा पंडाल बनाया गया है। यहां रविवार से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो चुका है। वहीं, एक मार्च को भजन संध्या का आयोजन होगा। इसमें उत्तराखंड, मुंबई, दिल्ली और इंदौर से आए कलाकार भगवान शिव की लीलाओं का मंचन करेंगे। आइए जाने बाकी सुविधाओं के बारे में...

बता दें कि, सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में इस आयोजन के दौरान 2 हजार से अधिक सेवादारों और तीन हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है। यहां कुंभ महोत्सव की तर्ज पर व्यवस्था की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उनके लिए जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित हो सकें। सभी संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं।

कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव के लिए 25 एकड़ में विशाल कथा पंडाल स्थापित किया गया है। जबकि 11 एकड़ क्षेत्र में भोजन और प्रसाद की विशेष व्यवस्था की जा रही है। रविवार से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो चुका है और इस आयोजन के दौरान उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं पहले से पूरी की गई हैं। इसके अलावा, जिला प्रशासन ने यातायात व्यवस्था के लिए डायवर्ट प्वाइंट्स और पार्किंग के इंतजाम किए हैं, ताकि कोई अव्यवस्था न हो। 60 एकड़ क्षेत्र में आधुनिक लाइटिंग की व्यवस्था की गई है, जो मंदिर परिसर को एक भव्य रूप देती है। इसके अलावा, मंदिर परिसर को आकर्षक बनाने के लिए बंगाल से विशेष कलाकारों को बुलाया गया है। हाईवे से कथा स्थल तक 40-40 फीट के एक दर्जन से अधिक गेट बनाए गए हैं और दो विशेष गेट 12-12 फीट के चलित लाइट से सजाए गए हैं, जो आयोजन को और भी आकर्षक बनाते हैं। कुबेरेश्वर धाम में एक मिनी आईसीयू की व्यवस्था भी की जा रही है। प्रशासन ने सभी दुकानों में विक्रय होने वाले खाद्य और पेय पदार्थों की जांच करने के निर्देश दिए हैं ताकि कोई भी मिलावटी सामग्री न बिक सके। इसके अलावा, स्वास्थ्य और सफाई सेवाओं के लिए भी अधिकारियों को मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया है।भोपाल से इंदौर जाने वाले भारी वाहनों को अब श्यामपुर और ब्यावरा होते हुए तूमड़ा दोराहा से भेजा जाएगा, वहीं इंदौर से भोपाल आने वाले भारी वाहन देवास से ब्यावरा और श्यामपुर होते हुए भोपाल जाएंगे। छोटे वाहनों और यात्री बसों के लिए नया रूट सीहोर के क्रिसेंट चौराहा से भाऊखेड़ी जोड़ और अमलाहा होते हुए निर्धारित किया गया है। वहीं, कुबेरेश्वर धाम जाने वाले श्रद्धालु हाईवे से सीधे गुजर सकेंगे, जबकि अन्य सभी वाहनों को डायवर्जन मार्ग से गुजरना होगा, यह व्यवस्था यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए की गई है।

सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट का समेकित शुद्ध लाभ एच1 एफवाय25 में 195 प्रतिशत बढ़ा प्रतिशत

पुणे, एजेंसी। सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड, जो फैसिलिटी मैनेजमेंट क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में से एक है, ने वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही (एच1 एफवाय25) के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड के सीईओ, अमोल शिंगाटे ने टिप्पणी करते हुए कहा, वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में हमारी मजबूत वित्तीय प्रदर्शन हमारी परिचालन उत्कृष्टता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विभिन्न उद्योगों में हमारी एकीकृत सेवा पेशकशों की बढ़ती स्वीकृति हमें फैसिलिटी मैनेजमेंट और समर्थन सेवाओं में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में मजबूत बनाती है। 18 दिसंबर 2024 को एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर हमारी सफल लिस्टिंग के साथ, हम अब अपनी सेवा क्षमताओं का विस्तार करने, प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों को बढ़ाने और अपने बाजार की स्थिति को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें नवाचार को बढ़ावा देना और उद्योग की बदलती मांगों को पूरा करना शामिल है। हमारे वित्तीय परिणामों के बाद, हमने कोमौरैबी टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में एक महत्वपूर्ण अनुबंध हासिल किया है, जिसका उद्देश्य मुंबई महानगरीय क्षेत्र में बस सेवाओं को बेहतर बनाना है।

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएं

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश में उद्योग एवं रोज़गार का नया युग प्रारंभ

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट समापन समारोह

मुख्य अतिथि

अमित शाह

केंद्रीय मंत्री, गृह एवं सहकारिता मंत्रालय

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

25 फरवरी, 2025

सायं 4:30–6:00 | मुख्य हॉल

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

मुख्य आकर्षण

- एमपी मोबिलिटी एक्सपो
- सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एंड फैशन एक्सपो
- ओडीओपी विलेज
- कन्ट्री सेशन
- एमपी पवेलियन
- एग्जीबिशन एवं एक्सपो
- एमपी बिजनेस एग्जीक्यूटिव मीट (बी2बी मीटिंग)
- मध्यप्रदेश सरकार एवं बिजनेस मीट (बी2जी मीटिंग)

CII Confederation of Indian Industry

EY Shape the future with confidence

D-11197/24

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

www.investmp.in

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025